DESIGNED ACCORDING TO
NEP 2020 GUIDELINES
NeoStar
अयांश
हिंदी पाठमाला
1
(Text-cum-Workbook)
Introducing
CHAPTERWISE
VIDEO LECTURES
Series Code : 1496
digibank
For instructions turn the book
or visit : www.vardhmanbooks.com
डॉ॰ गीता रानी
शोभा जैन

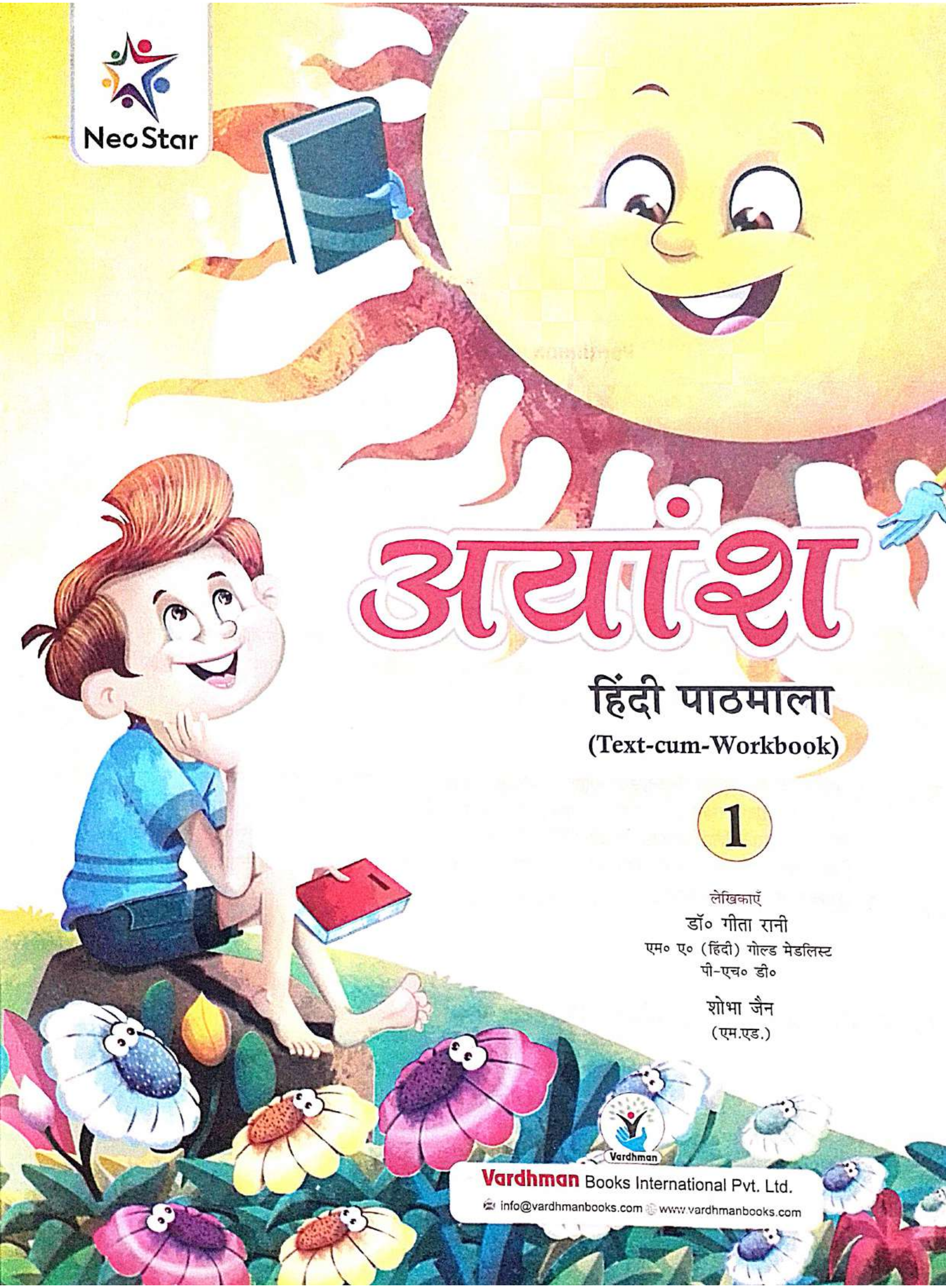

Neo Star

अयांश

हिंदी पाठमाला

(Text-cum-Workbook)

1

लेखिकाएँ

डॉ० गीता रानी

एम० ए० (हिंदी) गोल्ड मेडलिस्ट

पी-एच० डी०

शोभा जैन

(एम.एड.)

Vardhman

Vardhman Books International Pvt. Ltd.

info@vardhmanbooks.com www.vardhmanbooks.com

Vardhman Books International Pvt. Ltd.

Branch Office : Plot No. 16, Sector 10-C, IInd floor,
Vasundhara, Delhi/NCR—201012
info@vardhmanbooks.com
www.vardhmanbooks.com
Toll Free No. 1800-121-9968

© प्रकाशक :

सभी अधिकार प्रकाशकाधीन हैं। प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक में समाहित संपूर्ण पाठ्य-सामग्री के किसी भी भाग का मुद्रण, इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य किसी विधि से संग्रहण, प्रसारण अथवा प्रकाशन पूर्णतया वर्जित है।

यद्यपि इस पुस्तक को लेखन/संपादन/प्रूफ रीडिंग, तथा चित्रांकन की दृष्टि से त्रुटिरहित रखने तथा पाठ्य-सामग्री को शुद्ध रखने का यथासंभव प्रयास किया गया है तथापि भूलवश कोई त्रुटि, मशीनी या यांत्रिकी, रह गई हो तो इसके लिए प्रकाशक, लेखक और मुद्रक उत्तरदायी नहीं हैं। पुस्तक के सुधार हेतु प्राप्त सुझावों के लिए प्रकाशक/लेखक आभारी रहेंगे। त्रुटियों का परिमार्जन एवं प्राप्त विचारों और सुझावों का समायोजन आगामी संस्करण में कर दिया जाएगा।

संपादक मंडल : वर्धमान बुक्स संपादक मंडल
टाइप सेटिंग एवं चित्रांकन वर्धमान बुक्स
मुद्रक वर्धमान प्रिंट लाइन

रजिस्टर्ड ऑफिस : प्लॉट नं. 2, मोहकमपुर इंडस्ट्रियल एरिया,
फेज़-II, दिल्ली रोड, मेरठ (एन.सी.आर.)-250002

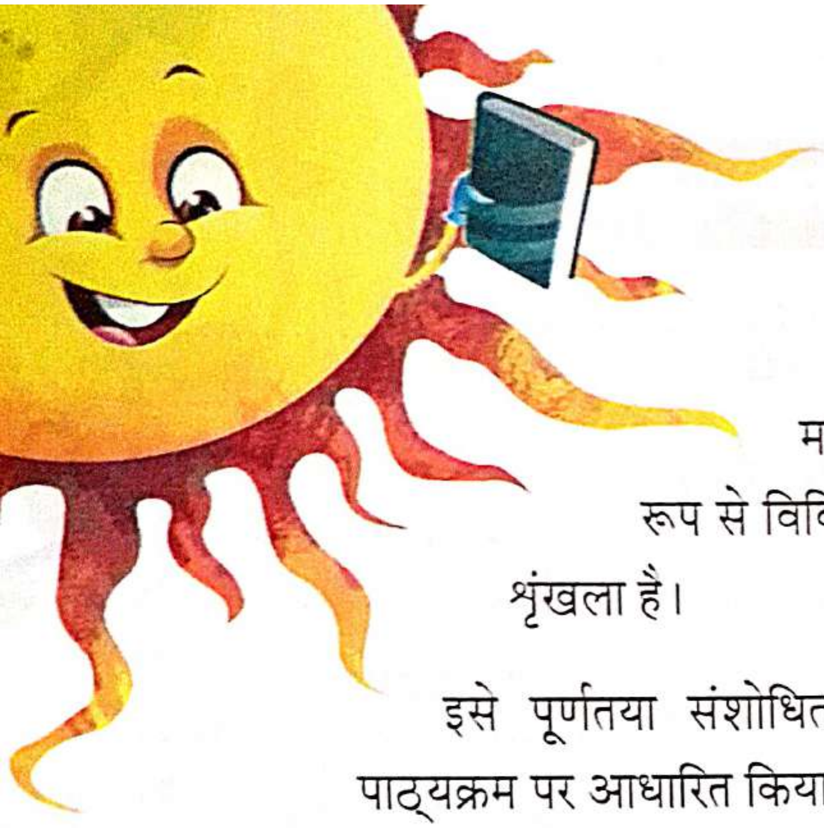

आमुख

प्रस्तुत हिंदी पाठमाला **अयांश** बालकों के मानसिक विकास की प्रक्रिया को रचनात्मक रूप से विविध स्तरों पर अग्रसर करने में एक महत्वपूर्ण शृंखला है।

इसे पूर्णतया संशोधित 'नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के अनुरूप पाठ्यक्रम पर आधारित किया गया है। पाठमाला में विविध विधाओं जैसे- कविता, एकांकी, कहानी संस्करण, पत्र, जीवनी, डायरी, चित्रकथा, लोककथा आदि का समावेश किया गया है। राष्ट्र, समाज और संस्कृति के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति भी बच्चों को सजग करने की चेष्टा इसमें निहित है।

ज्ञानवर्धन के साथ-साथ रोचकता और चित्रात्मकता इन पुस्तकों को अभिप्रायः पूर्ण बनाते हैं। भाषा की बारीकियों को सहज रूप से समझाने के उद्देश्य से व्याकरण को सहज रूप में समाहित किया गया है।

भाषा के सभी कौशलों जैसे– 'पढ़ना, लिखना, बोलना और सुनना, आदि का विकास हो सके, इस उद्देश्य को इस पाठमाला की रचना के दौरान विशेष लक्ष्य में रखा गया है।

पुस्तक बालकों में चिंतन-मनन की क्षमता को निश्चित ही विकसित करेगी। साथ ही उनकी अनुभूति क्षमता भी गहन हो सकेगी।

स्वयं ही संवेदना की आंदोलित भावभूमि हमारे दावों का समर्थन करेगी। आदरणीय अध्यापक बंधुओं और विद्वत्जनों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

—लेखिकाएँ व प्रकाशक

विषय-सूची

1. वर्णमाला : एक बार फिर से पढ़ो 5
2. बिना मात्रा के शब्द 6
3. 'आ' की मात्रा 'ा' 9
4. 'इ' की मात्रा 'ि' 12
5. 'ई' की मात्रा 'ी' 15
6. 'उ' की मात्रा 'ु' 18
7. 'ऊ' की मात्रा 'ू' 21
8. 'ए' की मात्रा 'े' 24
9. 'ऐ' की मात्रा 'ै' 27
10. 'ओ' की मात्रा 'ो' 30
11. 'औ' की मात्रा 'ौ' 33
12. 'अं' अनुस्वार 'ं' 36
13. 'अँ' (चंद्रबिंदु) 'ँ' 39
14. 'अः' 'ः' 43
15. 'र' की मात्रा के विविध रूप ' ्र, ्र ' 45
16. दोहरे व संयुक्त अक्षर 50
17. बहानेबाज टिंकी (चित्रकथा) 53
18. नया सुझाव (एकांकी) 56
19. बचपन है अलबेला (कविता) 61
20. बात से बात (कविता) 66
21. बूझो तो जरा 71
22. हमारा मन (कविता) 74
23. हिंदी का गीत 77
24. छुट्टी का दिन (चित्रकथा) 79
25. रसोई घर की चहल-पहल (परिचय) 81
26. त्योहारों की धूम 83

प्रश्न पत्र-I 85

प्रश्न पत्र-II 87

1 वर्णमाला : एक बार फिर से पढ़ो

वर्णमाला

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ड़ ढ ढ़ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

संयुक्त व्यंजन

क्ष त्र ज्ञ श्र

2 बिना मात्रा के शब्द

जल

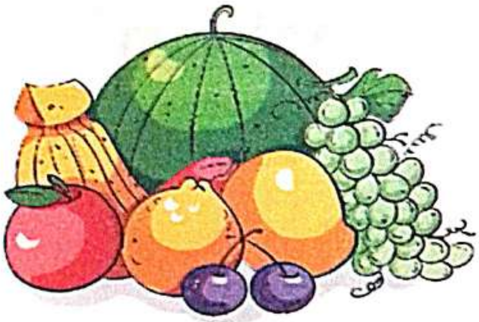

फल

नथ

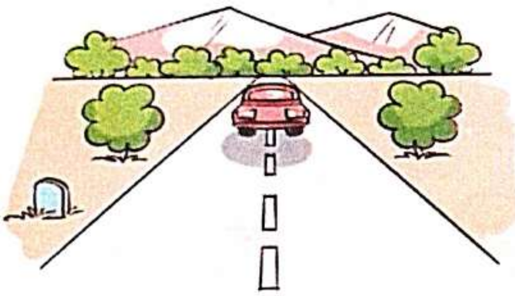

सड़क

नमक

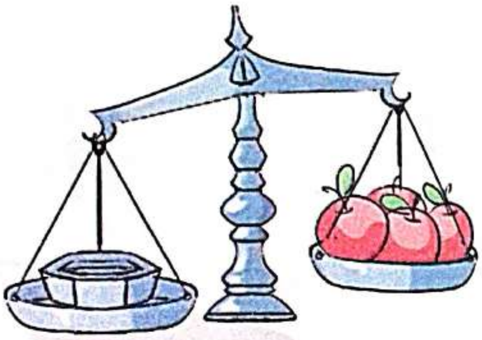

वजन

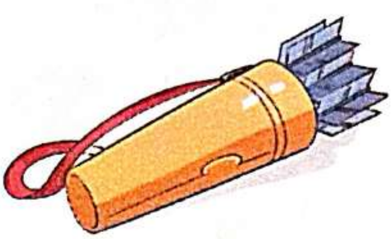

पढ़ो

टब	कल	महल	तरकश
पर	रस	मटर	चमचम
मन	नट	इधर	शरबत
अड़	लट	उधर	कसरत
डर	फट	फसल	पनघट
थन	हट	झलक	मलमल

जय चल कर जल भर। इधर-उधर मत उचक। चमचम चख। वचन पर रह। समझ कर सबक पढ़। बरगद पर मत लटक। कसरत कर। सरल रह। सब घर जगमग कर।

अभ्यास

1. चित्र देखकर शब्द पूरे करो–

(क)

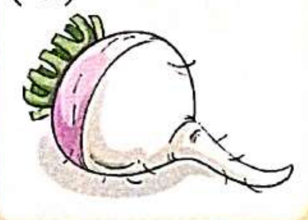

श ...... ग म।

(ख)

प न घ ...... ।

(ग)

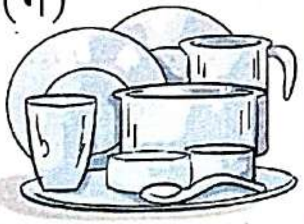

ब र ...... न।

(घ)

म ट ...... ।

2. सही मेल करो–

(अ)	(ब)
(क) चमचम	(i) भर
(ख) जल	(ii) कर
(ग) जगमग	(iii) पढ़
(घ) सबक	(iv) चख

3. चित्र पहचानकर उनके नाम लिखो—

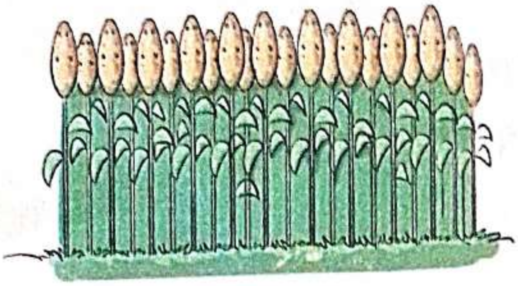

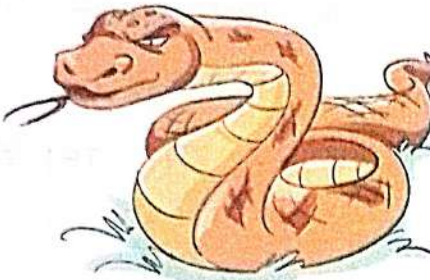

(क) ....

(ख) ....

(ग) ....

4. नीचे दिए गए शब्दों को सही कॉलम में लिखो—

नल, पलक, नयन, टमटम, सरकस, फल, अजगर, तरकश, कमर, नथ, भवन, टब, नमक, रथ, गरदन

दो वर्णों के शब्द	तीन वर्णों के शब्द	चार वर्णों के शब्द
थल	चमक	अचकन
हल	नमन	सरपट
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....
....	....	....

3 'आ' की मात्रा 'ा'

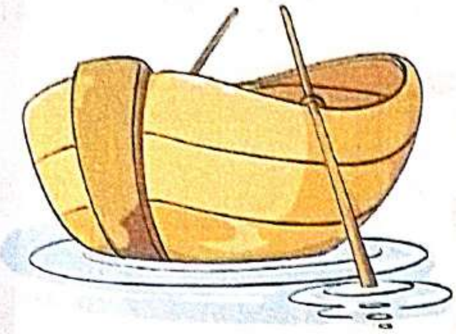

नाव

दवा

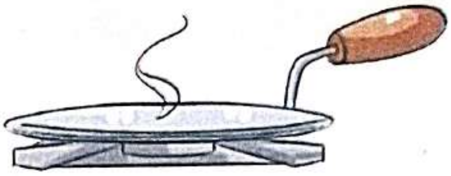

तवा

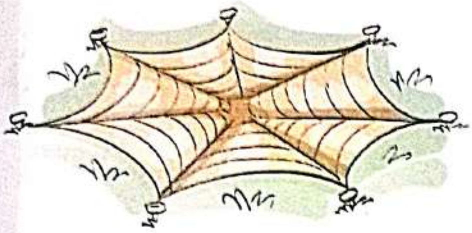

जाल

माला

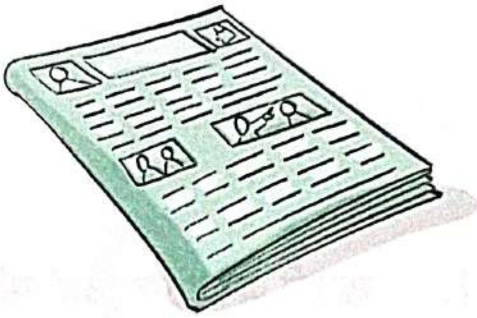

अखबार

पढ़ो

हवा	माला	कागज	चालाक
बजा	धागा	सावन	तलवार
सजा	भाला	चावल	सलवार
सड़ा	ताला	बादल	समाचार
गला	नाला	घायल	चमकदार

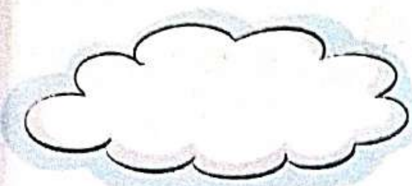

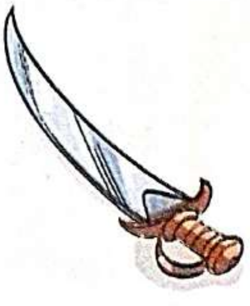

राजन चावल तथा गाजर लाना।
जरा ताजा फल खाकर बता।
आम काटकर चख।

नहाकर साफ रह।
अखबार पढ़।
ताला लगा।

गाओ

करना आज नया एक काम,
चबा-चबाकर खा बादाम।
बादल गरजा पर मत डर
जल बरस रहा छम छमाछम।

अभ्यास

1. खाली जगह पर 'आ' की मात्रा 'ा' लगाकर पढ़ो–

(क)
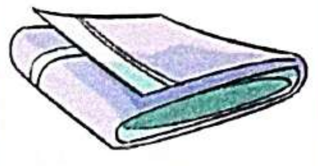
क प ड़ ......

(ख)
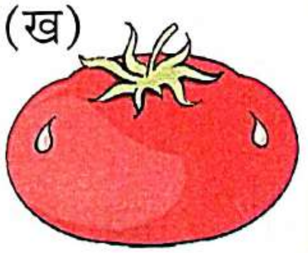
ट म ...... ट र

(ग)

ब र स ...... त

(घ)

छ ...... त ......

2. **सही मेल करो–**

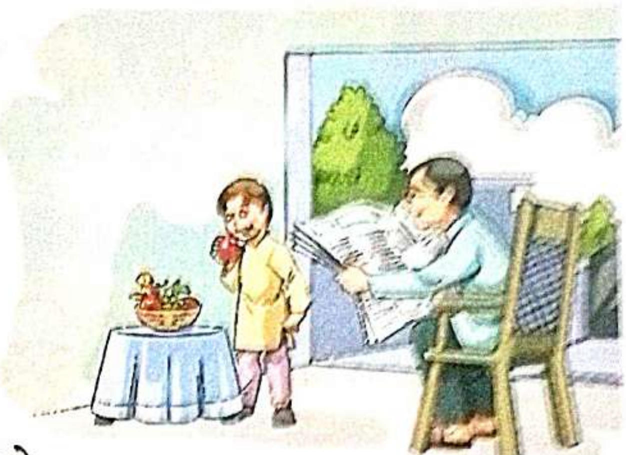

	(अ)		(ब)
(क)	साफ	(i)	चखना
(ख)	फल	(ii)	पढ़ना
(ग)	अखबार	(iii)	बरसना
(घ)	जल	(iv)	रहना

3. **सही शब्द के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाओ—**

(क)	हवा	( )	हावा	( )
(ख)	रजन	( )	राजन	( )
(ग)	नला	( )	नाला	( )
(घ)	चावल	( )	चवल	( )

4. **जोड़कर लिखो–**

(क)	सा	+	वन	=	......सावन......
(ख)	घा	+	यल	=	....
(ग)	पा	+	गल	=	....
(घ)	आ	+	सन	=	....
(ङ)	का	+	गज	=	....

4 'इ' की मात्रा 'ि'

हिरन

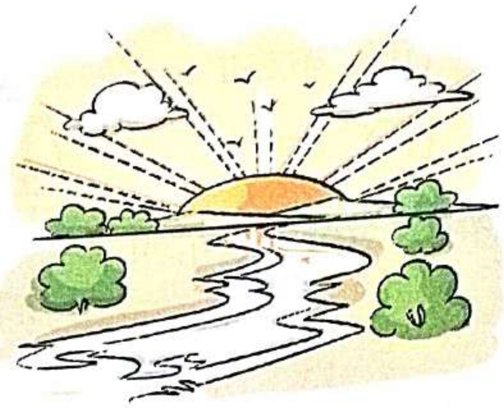

किरण

बनिया

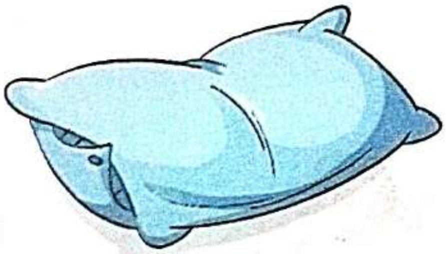

तकिया

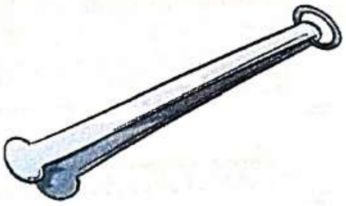

चिमटा

कवि

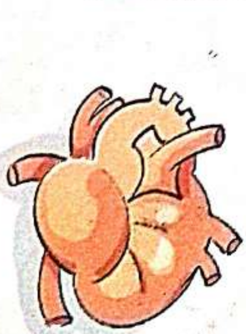

पढ़ो

दिल	बगिया	पिघला	तिलक
हिल	नदिया	कठिन	निडर
मिल	दलिया	सविता	घड़ियाल
लिख	छिलका	नमिता	किशमिश
पिन	चिड़िया	सरिता	खिटपिट

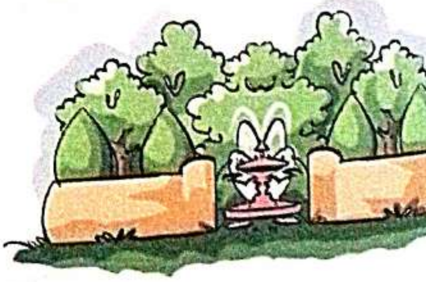

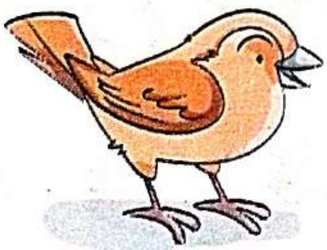

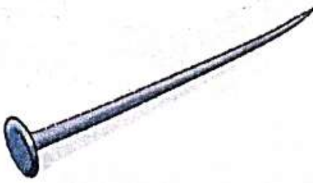

सविता उठ। दिन निकला।

अब तकिया रख।

कविता पढ़कर दिल पिघल गया।

सितार निकाल। बढ़िया काम करकर दिखा।

जब रविवार आए तब पिकनिक पर जा।

गाओ

रिमझिम बरस रहा सावन
बिजली कड़क रही फिर-फिर।
बादल गरजा, मिट्टी महकी
खट-खट बज उठी हर खिड़की।

अभ्यास

1. खाली जगह पर 'इ' की मात्रा 'ि' लगाकर पढ़ो–

(क) ..... ट ..... क ट

(ख) ..... ग र ..... ग ट

(ग) ..... न शा न

(घ) स ..... ड़ य ल

(ङ) ..... म त्र

(च) घ ..... ड़ या ल

(छ) ..... च त्र

(ज) ..... च ..... ड़ या घ र

2. सही मेल करो–

(अ)	(ब)
(क) मिट्टी	(i) सावन
(ख) रिमझिम	(ii) खिड़की
(ग) बजी	(iii) गरजा
(घ) बादल	(iv) महकी

3. एक शब्द में उत्तर लिखो—

(क) कविता पढ़कर क्या पिघला? ....

(ख) किस दिन पिकनिक पर जाना था? ....

(ग) खिड़की बारिश होने पर क्या करती है? ....

4. सही शब्द के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाओ–

(क) तितली	( )	तीतली	( )
(ख) बीजली	( )	बिजली	( )
(ग) फिरकी	( )	फीरकी	( )
(घ) तकिया	( )	तकीया	( )
(ङ) बिटिया	( )	बटीया	( )

5 'ई' की मात्रा 'ी'

नीम

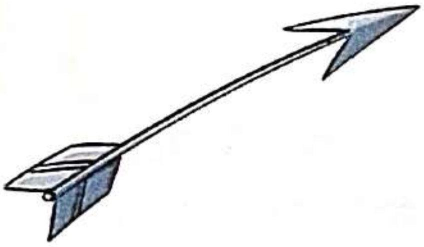

तीर

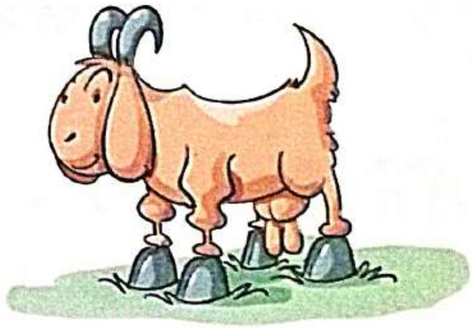

बकरी

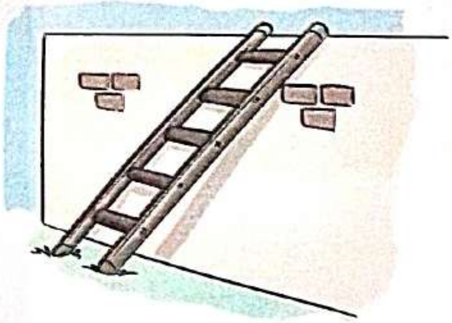

सीढ़ी

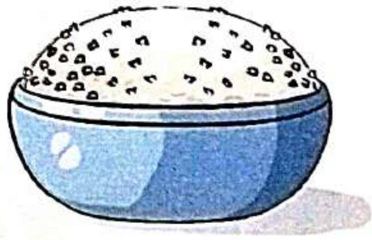

चीनी

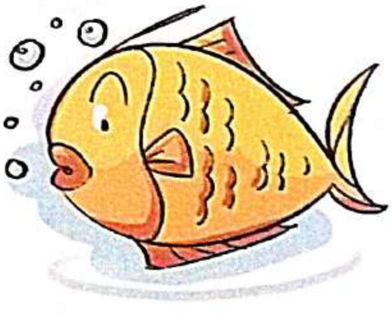

मछली

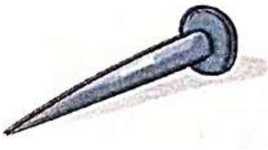

पढ़ो

नील	नदी	परी	गीत
चील	दही	खरी	जीत
कील	सही	पीतल	अमीर
बीन	हरी	शीतल	गरीब
सीप	भरी	दीपक	दीदी

सीमा खीर बना रही थी। उसकी महक भली थी।

दीदी सब समझा रही थी। सरदी पड़ रही थी।

असली घी की बरफी बनी थी। जनवरी आ गई थी।

नीरजा ऊनी चादर बिछा रही थी।

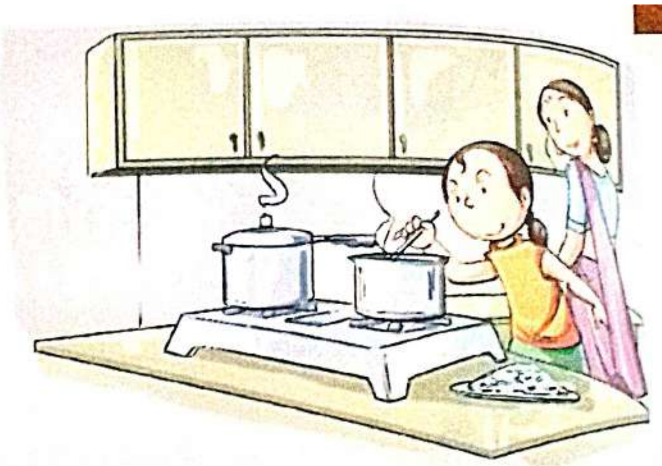

गाओ

पीली चमकीली पहन कर साड़ी
धरती पर एक परी उतरी।
जगमग-जगमग झिलमिल करती
छड़ी एक इधर-उधर फिराई
खिल गई बाग की सभी कली
बन गई सब उड़ती तितली।

अभ्यास

1. खाली जगह पर 'ई' की मात्रा 'ी' लगाकर पढ़ो–

(क) र ..... छ

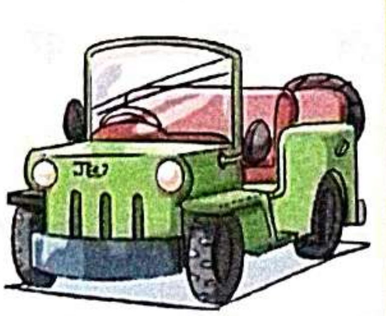

(ख) ज ..... प

(ग) घ ड़ .....

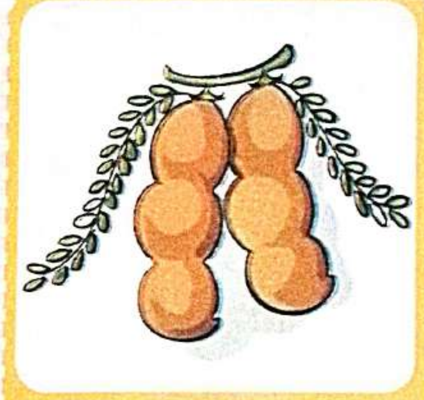

(घ) इ म ल .....

(ङ) क म ..... ज

(च) ग र ..... ब

2. एक शब्द में उत्तर लिखो—

(क) सीमा क्या बना रही थी? ....

(ख) बरफी की महक कैसी थी? ....

(ग) बाग में क्या खिला? ....

(घ) कली क्या बन गई? ....

3. सही मेल करो—

(अ)	(ब)
(क) दीपक	(i) गाना
(ख) खीर	(ii) नीम
(ग) हरी	(iii) बनाना
(घ) गीत	(iv) जलाना

4. पढ़ो और समझो—

दिन	दीन	कल	कील
बिन	बीन	चख	चीख
छिन	छीन	चल	चील
खिल	खील	मिल	मील

शिक्षण संकेत

- दिए गए शब्दों का उच्चारण स्पष्ट करते हुए, उनके अर्थ स्पष्ट करें। बच्चों को बताएँ कि किस प्रकार मात्रा बदलने से उनके अर्थ बदल जाते हैं।

5. परी की छड़ी बनाओ और रंग भरो।

6 'उ' की मात्रा 'ु'

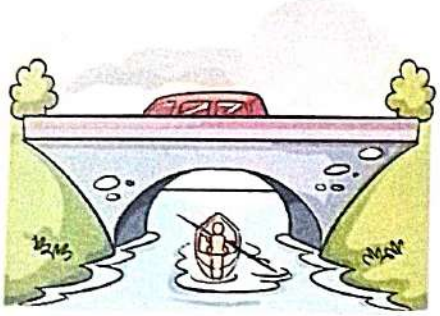

पुल

मुख

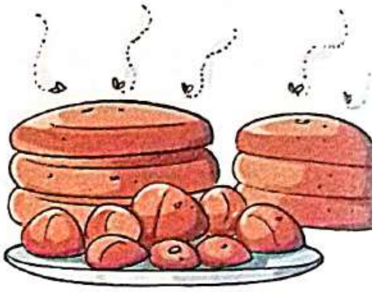

गुड़

दुकान

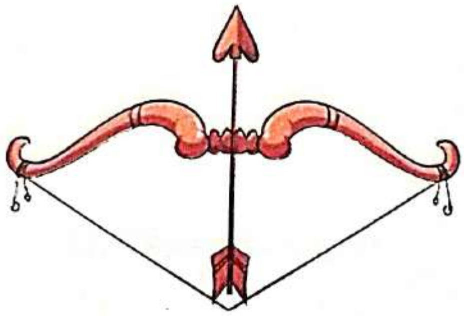

धनुष

बुलबुल

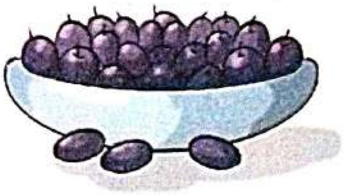

पढ़ो

सुख	बुढ़िया	चतुर	जामुन
दुख	गुड़िया	बुखार	दातुन
पशु	चुहिया	लुहार	टुनटुन
कुल	दुनिया	सुनार	झुरमुट
मधु	मुनिया	दुकानदार	चुनमुन

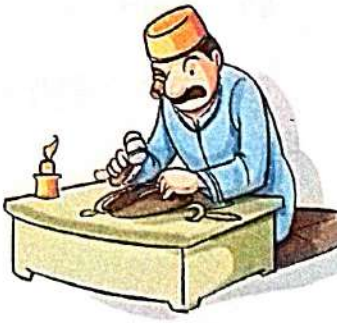

सुमन सुबह साबुन मलकर नहा।
फिर गुलाब चुनकर ला। हलुवा बना।
तुलसी पर दीपक जला।
बुआ जी कल आए तब
कुछ ऊधम मत करना।
चुप पर खुश रहना।

गाओ

सुन यह बात अरी रुनझुन
लाकर नई सलाई बुन।
मीठी-मीठी सुरीली धुन
गाती रह कर गुन गुन गुन।

अभ्यास

1. पहले वर्ण के नीचे 'उ' की मात्रा ' ु ' लगाकर लिखो–

(क) दम – ......दुम......

(ख) कल – ....

(ग) धन – ....

(घ) कली – ....

(ङ) गड़िया – ....

2. **रिक्त स्थान में सही शब्द भरो—**

(क) बात .... जाती है। (बुनी/सुनी)

(ख) .... सुरीली होती है। (धुन/गुन)

(ग) .... से नहाते हैं। (दातुन/साबुन)

(घ) तुलसी पर .... जलाते हैं। (पटाखा/दीपक)

3. **पढ़ो और समझो—**

(क) बुआ, दुआ, पुआ।

(ख) दुनिया, मुनिया, गुड़िया।

(ग) गुम, दुम, हुक।

(घ) साबुन, जामुन, दातुन।

नोटः प्रत्येक पंक्ति के शब्दों में समान लय है।

4. **सही स्थान पर 'उ' की मात्रा लगाओ—**

सख	दख	पश	मकट
सखद	तन	मध	समन

5. **दिए गए बुलबुल के चित्र में रंग भरो—**

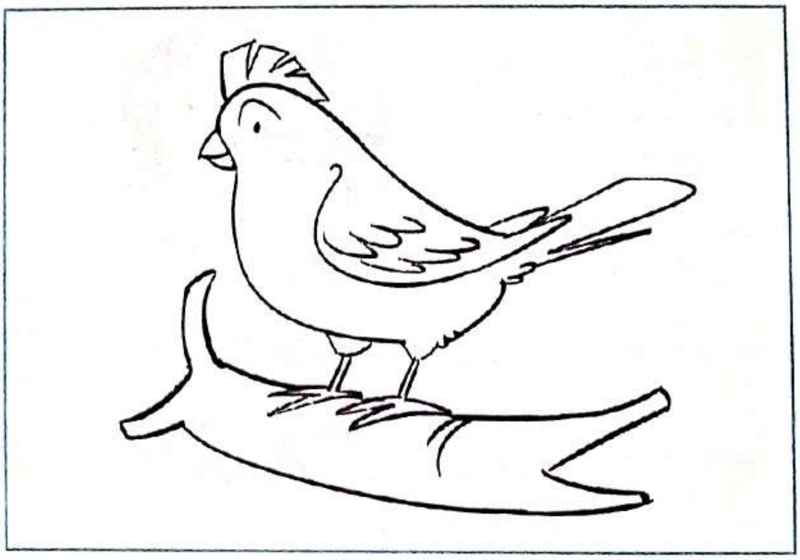

7 'ऊ' की मात्रा ' ू '

दूध

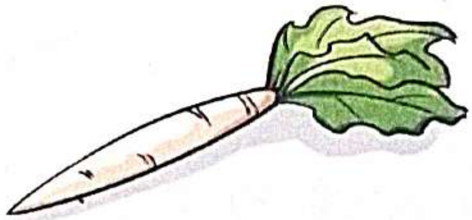

मूली

झूला

सूरज

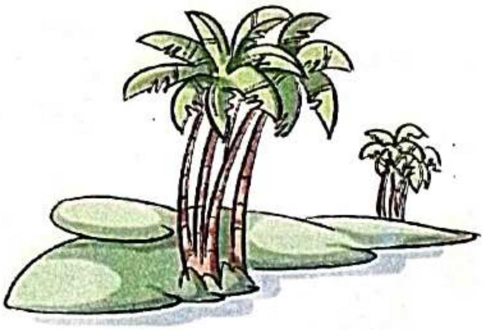

खजूर

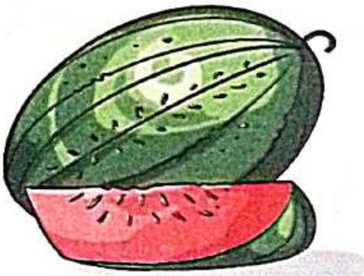

तरबूज

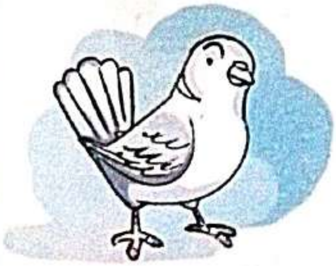

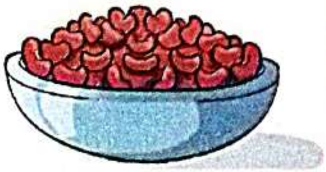

पढ़ो

दूर	चूस	रूप	पूनम
चूर	सूख	कूद	कबूतर
खून	भूख	चूरन	मजदूर
जून	फूल	जूठन	बबूल
झूठ	धूल	सूजन	काजू

नूतन छत पर उछलकूद कर रही थी।
जब भूख लगी तब दूध पीकर खजूर खाए।
दूध की बनी कुलफी भी वह खूब खाती थी।
उसका भाई राजू बाजार जाकर काजू लाया।
उनकी सूरत फूल सी लगती थी।

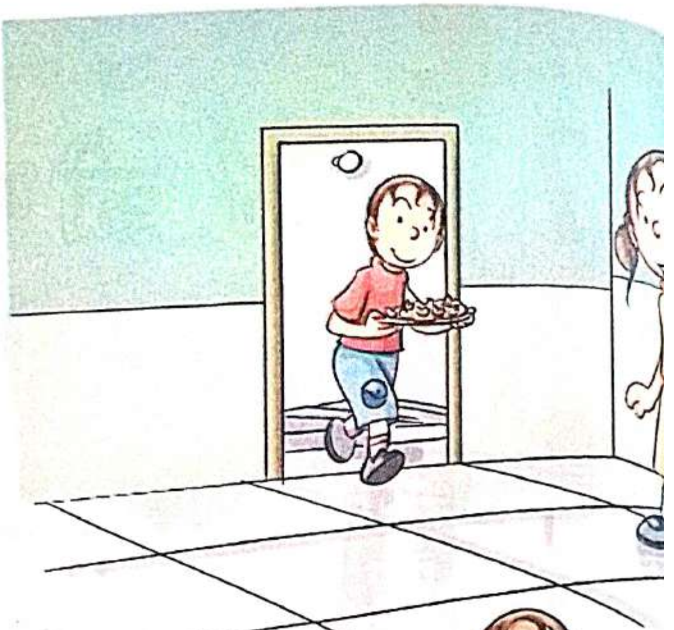

गाओ

छू न कभी बिजली का तार,
भूखा मत रह, कर आहार।
दूर-दूर तक हरी-हरी दूब,
चलना इस पर जब ढल जाए धूप।

अभ्यास

1. सही जगह पर 'ऊ' की मात्रा ' ू ' लगाकर शब्द लिखो–

(क) जन – ......जून......
(ख) बाप – ....
(ग) जड़ा – ....
(घ) चड़ी – ....
(ङ) अमरद – ....
(च) मजदर – ....
(छ) झाड़ – ....

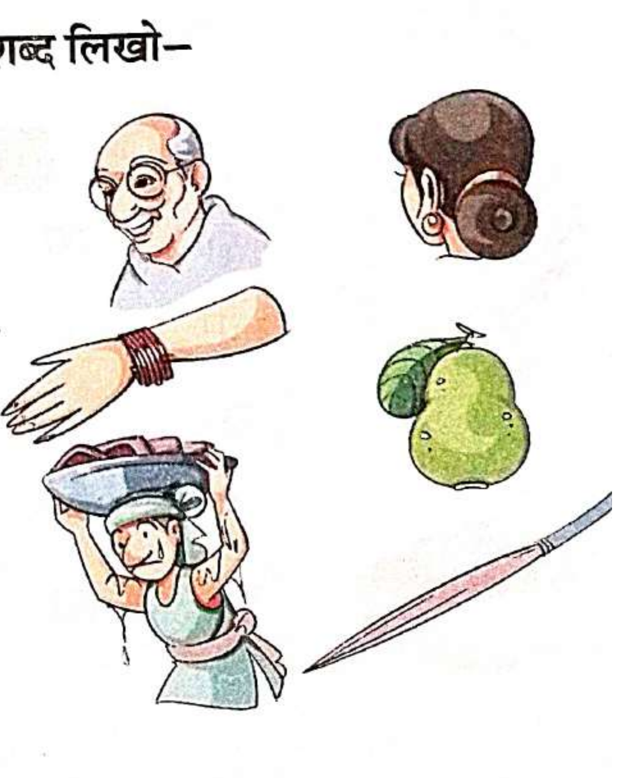

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—**

(क) नूतन छत पर क्या कर रही थी?

....

(ख) नूतन ने क्या पिया?

....

(ग) राजू क्या लाया?

....

(घ) क्या नहीं छूना चाहिए?

....

3. **सही स्थान पर 'उ' (ु) या 'ऊ' (ू) की मात्रा लगाओ–**

जन का महीना था। सरज तप रहा था। खब गरमी थी। पनम उठी झाड़ लगाकर घर बहारा। ससर जी की आवाज सनकर रक गई। सास पकार रही थी बह इधर आना।

8 'ए' की मात्रा ' े '

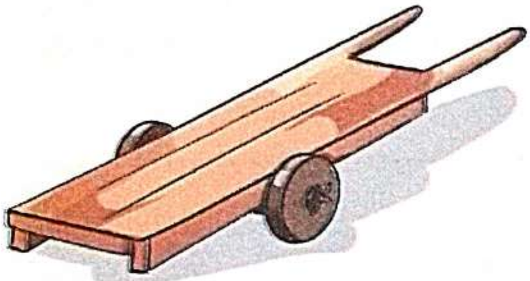

ठेला

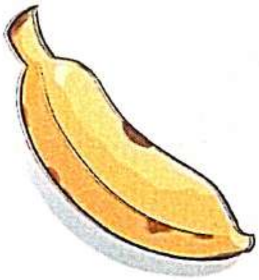

केला

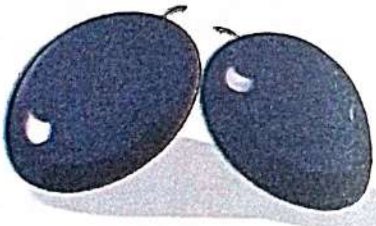

बेर

शेर

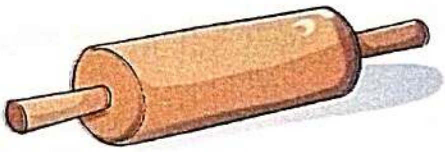

बेलन

जेवर

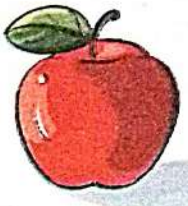

पढ़ो

खेल	चेला	चमेली	सवेरा
तेल	मेला	सहेली	बसेरा
जेब	नेहा	पहेली	तबेला
रेत	मेघा	अकेली	रेशम
सेब	सेवा	शेरनी	अलबेला

चल नेहा बेलन से बेसन के पकवान बना। फिर नए कपड़े पहन कर मेला चल। जब वे मेला गए, तब ठेले वाले तरह-तरह की चीज बेच रहे थे। पाजेब, चूड़ी, गुड़िया, नकली जेवर आदि। नेहा ने जलेबी खरीदी। उसकी सहेली ने कुछ मेवे। वे घर देर से आए।

गाओ

पटरी पर जब आई रेल,
भीड़ ने कर दी ठेलमठेल।
ठेले वाले लगे घूमने
लेकर चाय-गरम भटूरे
गिनकर लेते रुपए पूरे।

अभ्यास

1. सही स्थान पर 'ए' की मात्रा ' े ' लगाकर शब्द लिखो–

(क) रमश – ....

(ख) हवली – ....

(ग) दवर – ....

(घ) पहरदार – ....

(ङ) मज – ....

(च) परद – ....

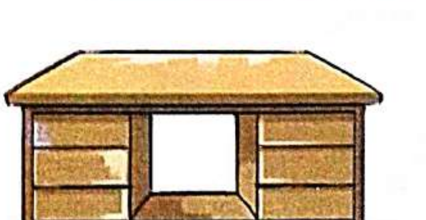

2. एक शब्द में उत्तर लिखो—

(क) बेसन से क्या बनाना था? ....

(ख) नए कपड़े पहन कर नेहा क्या देखने गई? ....

(ग) रेल आने पर भीड़ ने क्या किया? ....

(घ) नेहा ने क्या खरीदा? ....

3. सही स्थान पर ' े ' की मात्रा लगाओ—

खान म लड्डू-पड़-मीठ लगत थ। पर बच्च आजकल मिठाई नहीं खात। व चाउमिन व आदि खात ह।

4. दी गई 'ए' की मात्रा को दोहरा करके इसमें रंग भरो—

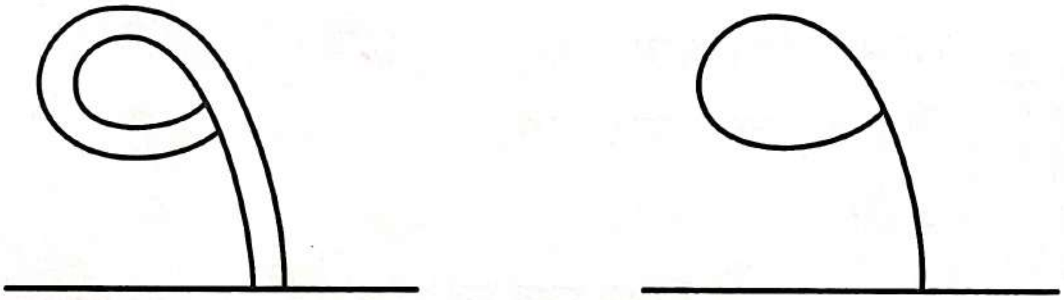

5. दिए गए शब्दों को चित्रों से मिलाओ—

केला

शेर

बेलन

ठेला

9 'ऐ' की मात्रा ' ै '

बैल

पैर

थैला

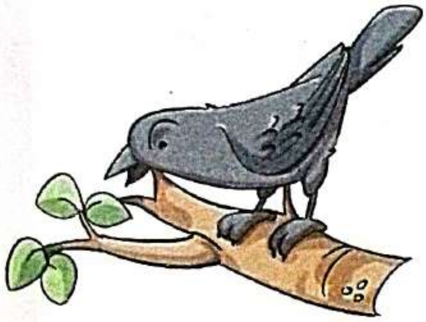

मैना

सैनिक

नैया

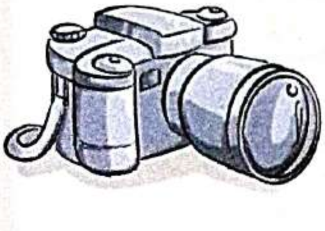

पढ़ो

खैर	सिवैया	कैद	मैया
सैर	गवैया	विषैला	भैया
बैर	मैदान	बैठक	गैया
तैर	कैमरा	बगैर	वैभव
गैस	लठैत	पैदल	खपरैल

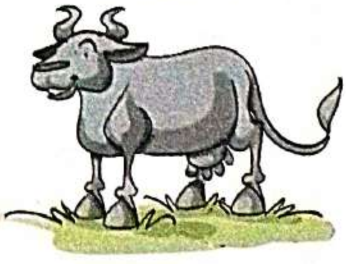

हमें कानून का पालन करना पड़ता है।
वरना आदमी कैद कर लिया जाता है।
वैभव ने यह बात कक्षा में सुनी।
घर आकर मैया व भैया से सब कहा।
फिर वह तैरने गया। उसने दूर मैदान में देखा।
सैनिक परेड कर रहे थे।

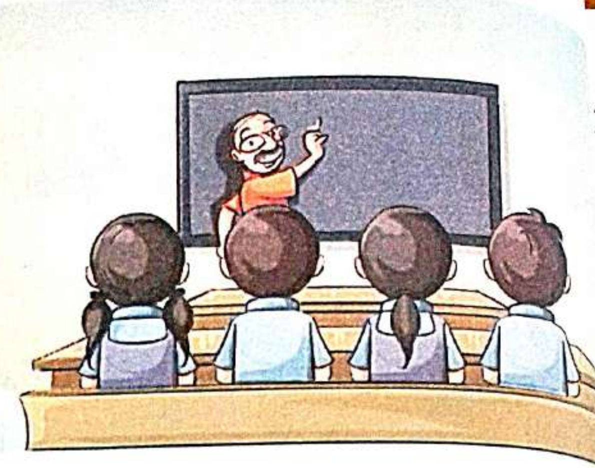

गाओ

बुलबुल-मैना बनी गवैया;
मोर नाचता ता-ता-थैया।
बादल ने कर डाली छैया,
मैं भी खुश, खुश है मेरी मैया।

अभ्यास

1. सही जगह पर 'ऐ' की मात्रा (ै) लगाकर शब्द पूरे करो–

(क) ननीताल – ....

(ख) कलाश – ....

(ग) डकत – ....

(घ) बठक – ....

(ङ) ततया – ....

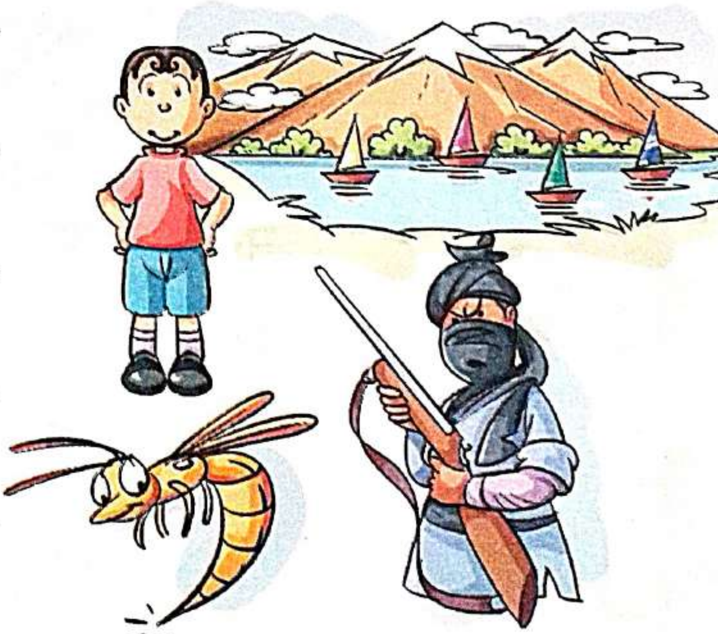

2. **सही शब्द के सामने ✓ लगाओ—**

(क) खपरल	( )	खपरैल	( )
(ख) अटैची	( )	अटची	( )
(ग) मदा	( )	मैदा	( )
(घ) कन्हया	( )	कन्हैया	( )

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—**

(क) हमें किसका पालन करना पड़ता है?

....

(ख) कानून का पालन न करने पर क्या मिलता है?

....

(ग) मैना क्या बनी थी?

....

(घ) छैया किसने की?

....

4. **दिए गए चित्र में रंग भरो—**

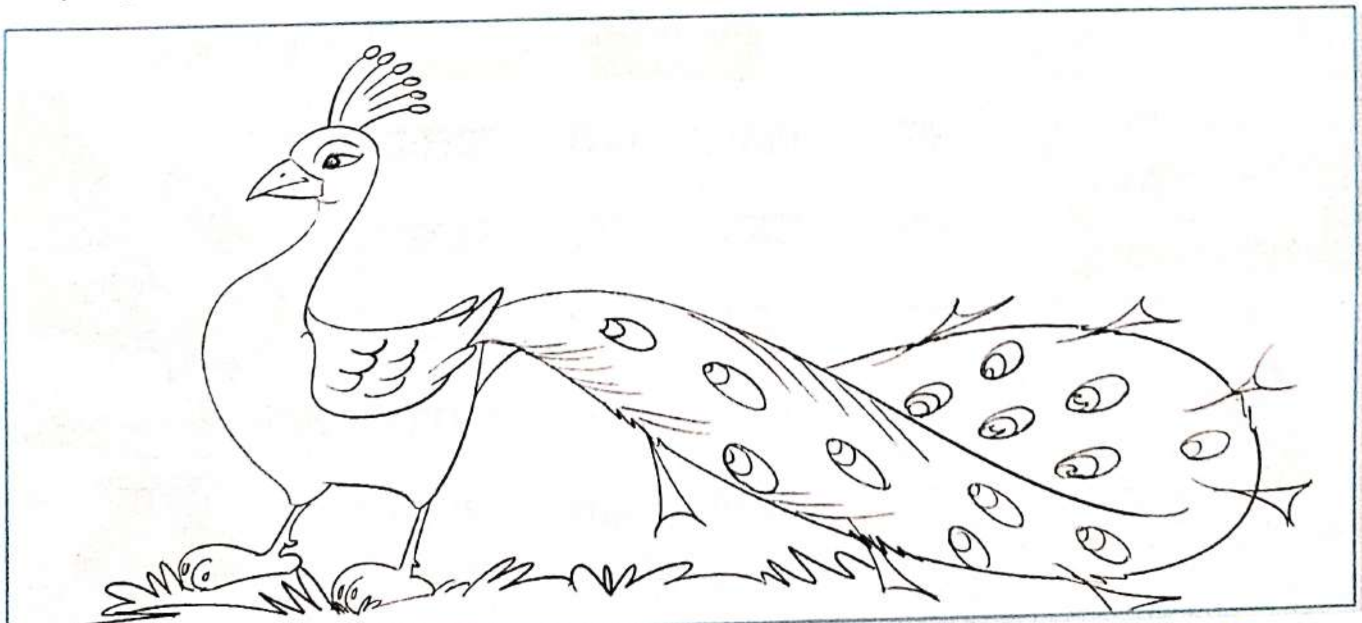

10 'ओ' की मात्रा 'ो'

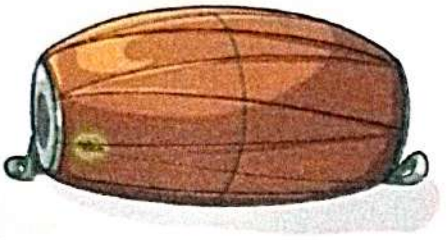

ढोल

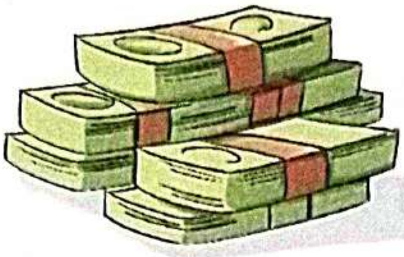

नोट

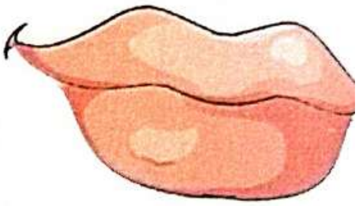

होठ

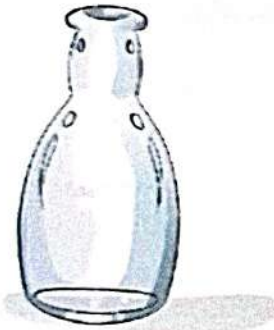

बोतल

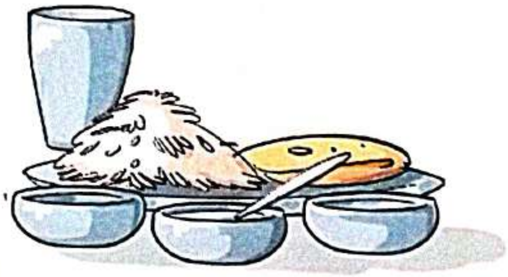

भोजन

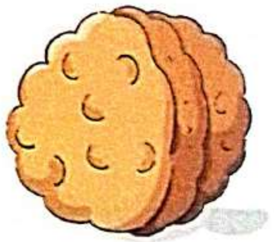

अखरोट

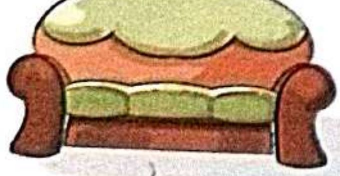

पढ़ो

मोर	मोटा	होश	ढोलक
शोर	खोटा	दोष	जोकर
चोट	लोटा	बोल	चोकर
मोच	सोफा	तोल	खरगोश
सोच	समोसा	मोल	होटल

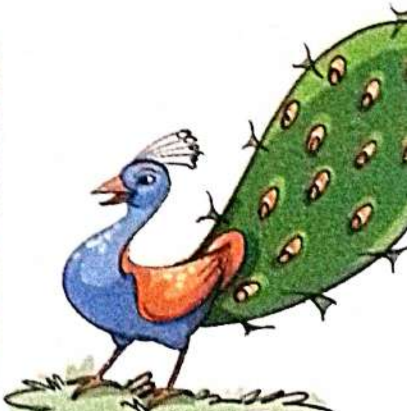

“आम कैसे दिए? इनका मोल बताओ” पिता जी ने पूछा। “चालीस रुपए किलो” फल वाले ने कहा। “ठीक से तोलना”। “जी”, कहकर फल वाला फिर से शोर मचाने लगा। “आम ले लो।” पिताजी ने नोट गिनकर दे दिए।

गाओ

नहा धोकर मोनू हुआ तैयार
पढ़-लिखकर बनेगा होशियार।
खाली समय न खोता वह
समय पर जागता-सोता वह।

अभ्यास

1. खाली स्थान पर ‘ओ’ की मात्रा (ो) लगाकर पढ़ो–

(क) क म ज ···· र – ....

(ख) क ···· य ला – ....

(ग) अ श ···· क – ....

(घ) द ···· प ह र – ....

(ङ) ड र प ···· क – ....

(च) ब ···· झ – ....

(छ) ग ···· ल – ....

2. **अंतिम वर्ण से मिलते-जुलते शब्दों के जोड़े बनाकर लिखो—**

सोना, समोसा, योगी, बोना, खोना, भोगी, भरोसा, रोना, चोर, खोज, सोच, रोज, शोर, मोच, ठोकर, शोक, मोटर, नोक

(क) ......समोसा...... – ......भरोसा......

(ख) .... – ....

(ग) .... – ....

(घ) .... – ....

(ङ) .... – ....

(च) .... – ....

(छ) .... – ....

(ज) .... – ....

(झ) .... – ....

3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—**

(क) पिताजी ने किसके दाम पूछे?

....

(ख) बहन क्या बना रही थी?

....

(ग) नहा धोकर कौन तैयार हुआ?

....

(घ) पढ़ लिखकर मोनू क्या बनेगा?

....

4. जोकर के लिए एक टोपी का चित्र बनाओ।

11 'औ' की मात्रा ौ

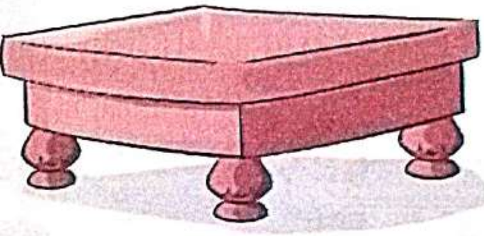

चौकी

पौधा

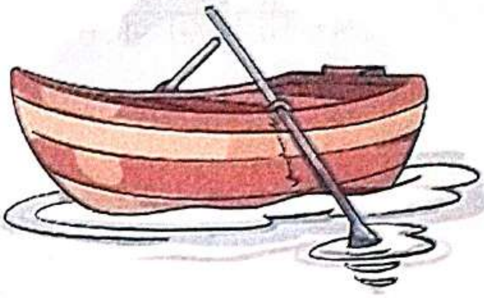

नौका

गौतम

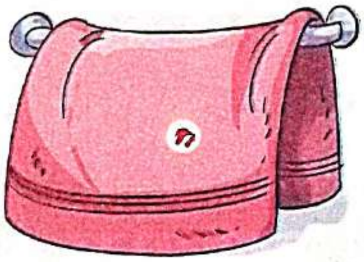

तौलिया

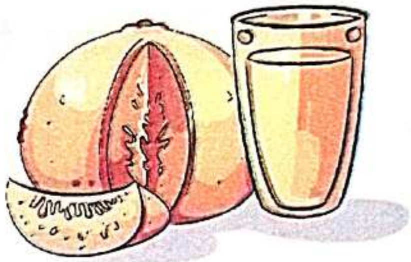

मौसमी

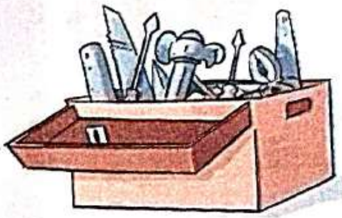

पढ़ो

फौज	मौका	औजार	नौकर
हौज	चौड़ा	भगौना	चौखट
दौड़	मौसम	खिलौना	लाहौर
शौक	सौरभ	मौलवी	बिजनौर
मौज	हथौड़ी	रौनक	चौधरी

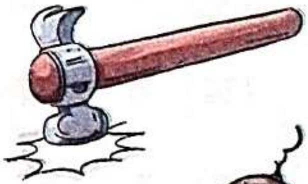

दीवाली का मौका था। फौजी भी घर लौटकर खुशी मना रहे थे। मौसी ने पूरे घर में बिजली की चौड़ी झालरें लगवाई। घर पर नौकर ने खूब सफाई की। सबने मिठाई और पकौड़ी खाई। चौखट पर भी दिया जलाया गया।

गाओ

आज है कितना बढ़िया मौसम,
पकड़ तौलिया, नहा ले गौतम।
घर भर में है कितनी रौनक
खुश है सभी आज इतने
जैसे मिल गई भारी दौलत।

अभ्यास

1. **खाली स्थान पर 'औ' की मात्रा (ौ) लगाकर पढ़ो–**

(क) म ···· का – ....

(ख) ब ···· ना – ....

(ग) र ···· ब – ....

(घ) खिल ···· ना – ....

(ङ) ग ···· रव – ....

(च) च ···· धरी – ....

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) घर लौटकर कौन खुशी मना रहे थे?

....

(ख) बिजली की झालरें कैसी थीं?

....

(ग) सबने मिठाई और क्या खाया?

....

(घ) मौसम कैसा था?

....

3. पढ़ो और समझो– (नए शब्द बनाना)

(क) फौज – फौजी

(ख) गौर – गौरी

(ग) दौड़ – दौड़ी

(घ) चौक – चौकी

(ङ) मौन – मौनी

4. सुमेल करो–

(अ)	(ब)
(क) कचौड़ी	(i) कटोरी
(ख) चटोरी	(ii) दौड़ी
(ग) गोल	(iii) पकौड़ी
(घ) कौड़ी	(iv) मोल

12 'अं' अनुस्वार ' ं '

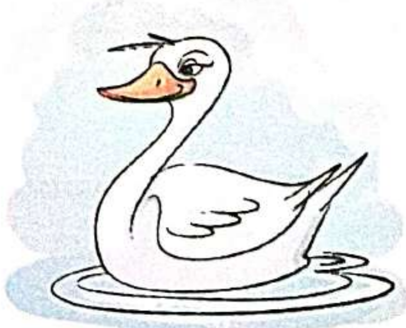

हंस

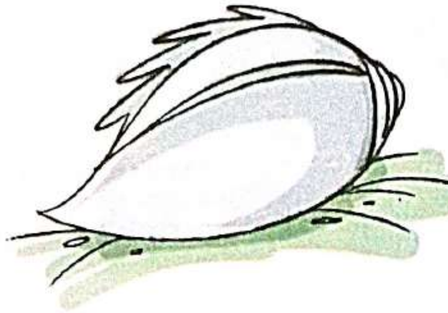

शंख

पंख

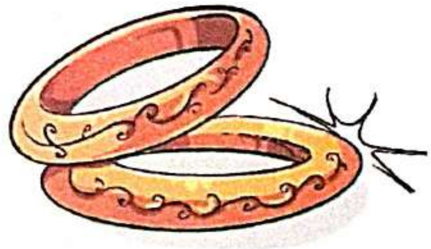

कंगन

बंदर

मंदिर

पढ़ो

रंग	ढंग	मंगल	लंका
संग	पतंग	चंदन	वसंत
तरंग	पलंग	संकट	शंका
उमंग	शंकर	जंगल	सुंदर
दंग	कंकड़	गंजा	बंगाल

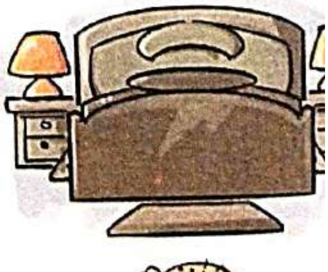

पंडित जी पलंग पर सो रहे थे। उनका बेटा छत पर पतंग उड़ा रहा था। उनका घर मंदिर के पास ही था। नए कंगन पहनकर कंचन आई। मंदिर में शंकर जी को शीश नवाया। घंटा बजाया। तभी एक जोर से आवाज आई। एक बंदर छत पर कूदा। कोई संकट की बात है, यह सोचकर पंडित जी घबराकर उठे।

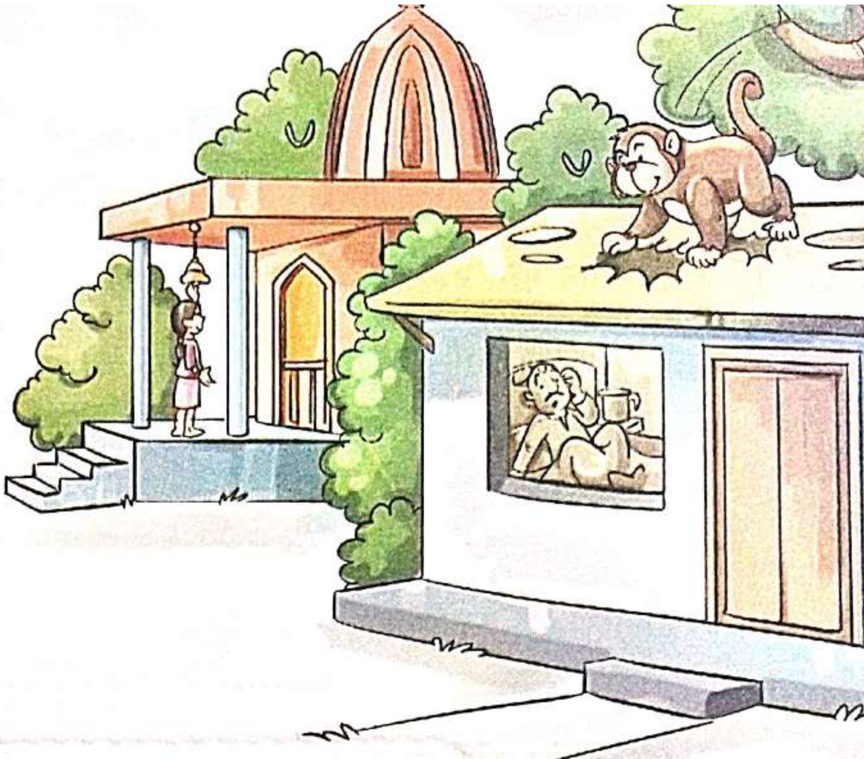

गाओ

रंग-बिरंगी उड़ी पतंग,
देखकर मुनिया रह गई दंग।
उसमें जागी नई उमंग,
वह कागज को काट-काटकर
बना रही एक नया ही ढंग।
झाड़ू की तीली उस पर चिपकाकर
कहती लो बन गई पतंग।

अभ्यास

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—**

   (क) पंडित जी कहाँ सो रहे थे?

   ....

   (ख) पंडित जी का घर कहाँ था?

   ....

   (ग) बंदर कहाँ कूदा?

   ....

   (घ) दंग कौन रह गया?

   ....

2. **सही जगह पर अनुस्वार (ं) लगाकर शब्द पूरे करो–**

सिदूर	सुरग	भिडी	ठड ....
सत	कघा	दड	लबा ....

3. **बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करो और उसमें रंग भरो–**

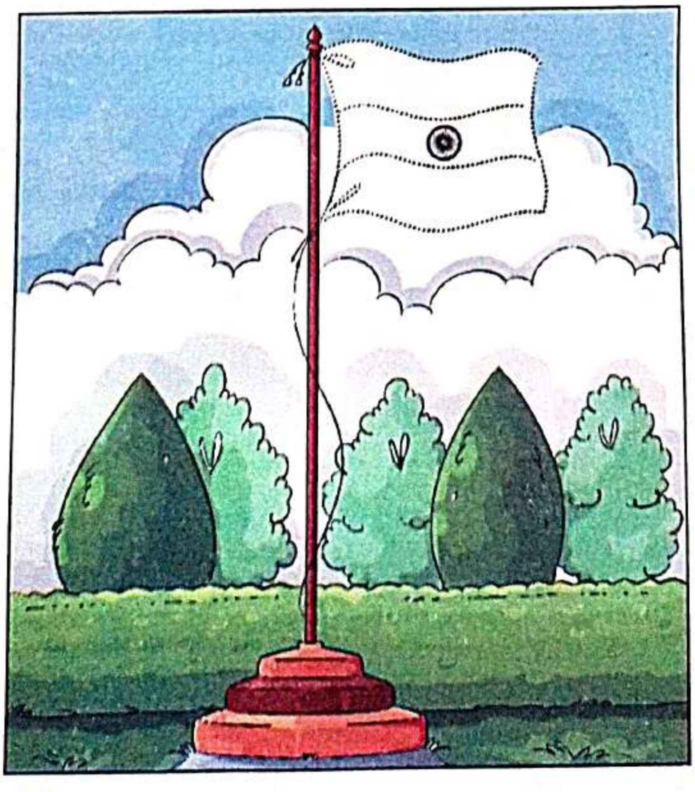

13 'अँ' (चंद्रबिंदु) (ँ)

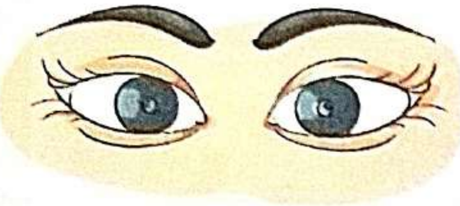
आँख

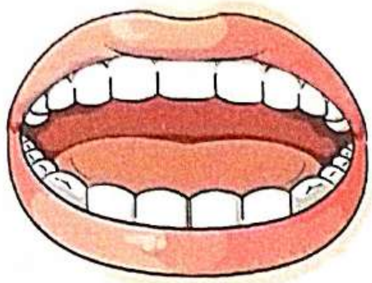
दाँत

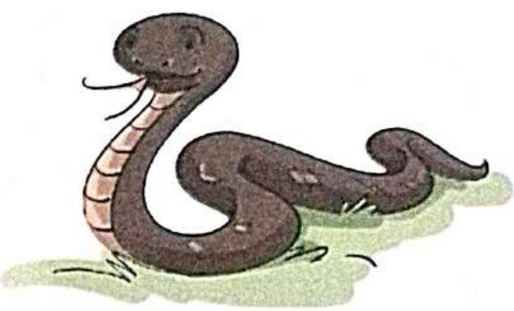
साँप

चाँद

मूँछ

पाँव

पढ़ो

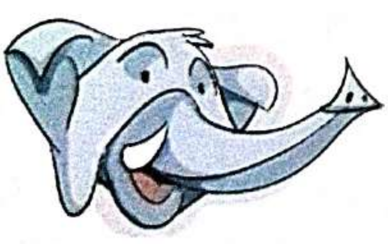

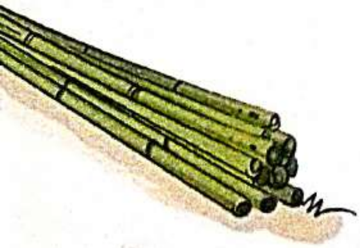

बाँस	सूँड	हँसना	अँगूठी
साँस	आँगन	आँवला	ऊँट
आँच	चाँदी	साँवला	मिठाइयाँ
गाँव	फाँदी	फँसना	दवाइयाँ
पाँच	ऊँची	आँच	सिवैयाँ

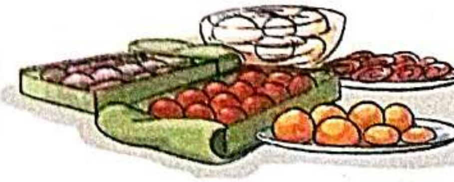

1.

साँची और आँचल सहेलियाँ थीं। एक दिन वे गाँव की राह पर नंगे पाँव घूमने लगी। तभी सां के पाँव में एक काँटा चुभा-वह चिल्लाई। माँ! आँचल ने वह काँटा धीरे से निकाल दिया। त सामने से चाँदी की पायल पहने एक औरत निकली। उसकी अँगूठी कहीं गिर गई थी। उस उन लड़कियों से पूछा कि क्या वह उनको मिली है। दोनों ने कहा 'नहीं'। 'तब शायद घर आँगन में ही गिरी होगी।' वह बोली। 'हाँ जी हमें भी ऐसा ही लगता है' दोनों ने कहा।

गाओ

ऊँट हिलाता पूँछ चला,
हाथी ने अपनी सूँड हिलाई।
हिरनी ने ली जमकर अँगड़ाई,
जंगल में रौनक सी आई।
जब घुँघरू पहन बंदरिया निकली,
लोमड़ी हँसी, चिड़िया मुस्काई।

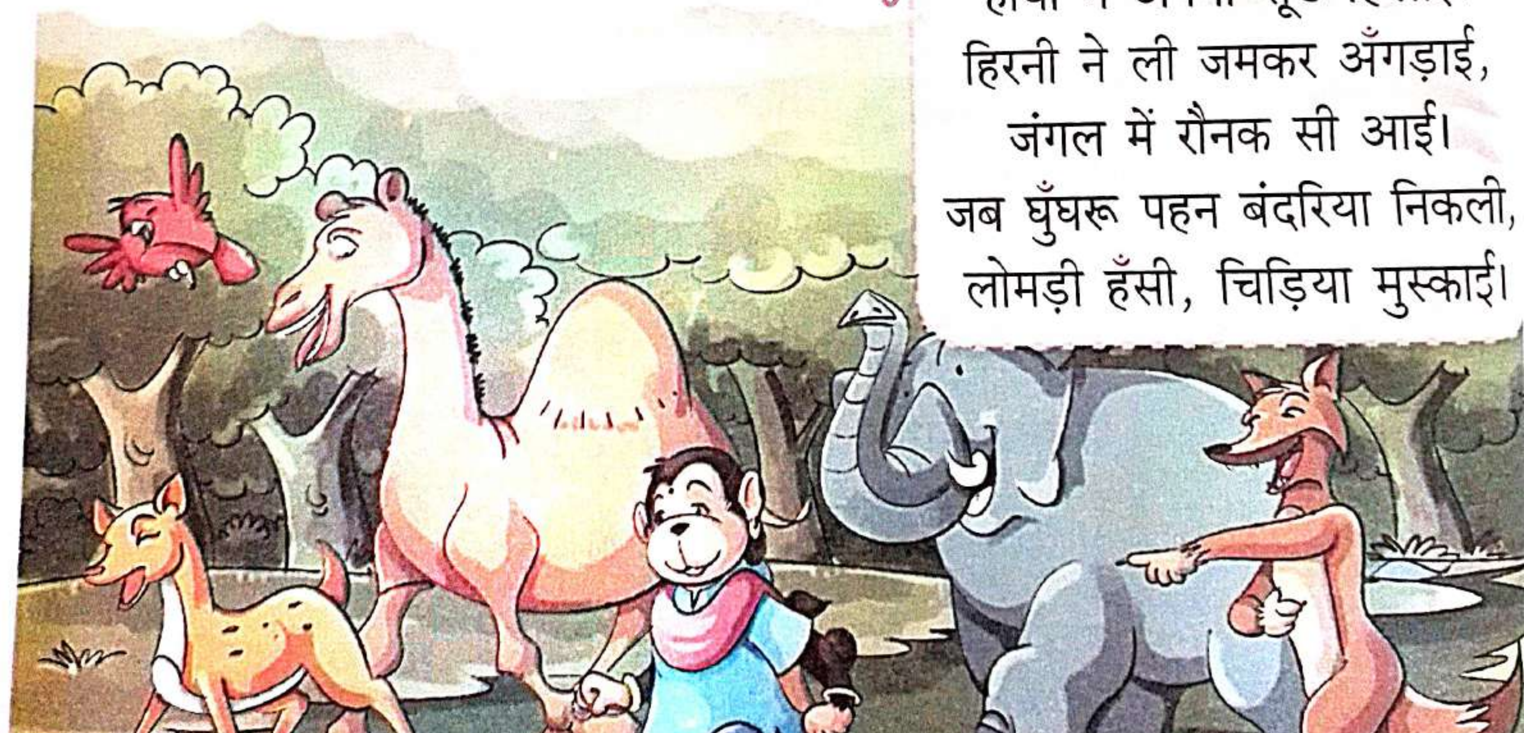

अभ्यास

1. चित्र देखकर नाम पूरे करो–

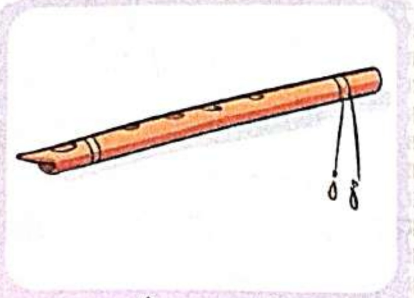

बाँ ····· री

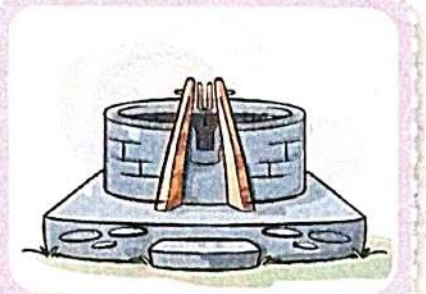

कु ·····

····· आँ

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

(क) साँची के पाँव में क्या चुभा?

....

(ख) औरत ने चाँदी की क्या चीज पहन रखी थी?

....

(ग) अँगड़ाई किसने ली?

....

(घ) घुँघरू किसने पहने थे?

....

3. गोले में से सही वर्ण चुनकर शब्द पूरे करो–

फाँ ....

बाँ ....

क

द घ

स

झाँ ....

लाँ ....

4. चित्र देखकर वाक्य पूरे करो–

मोटू की .... लंबी है।

कुत्ते की .... टेढ़ी है।

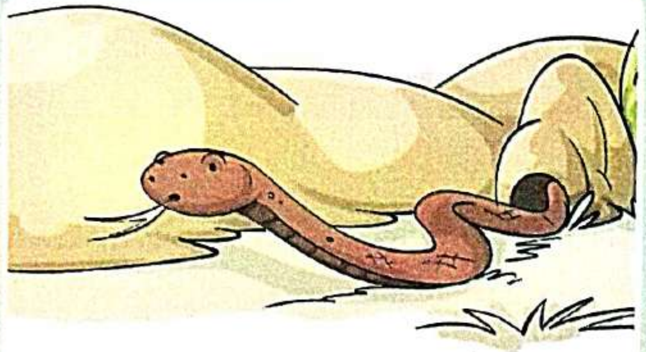

बिल में .... है।

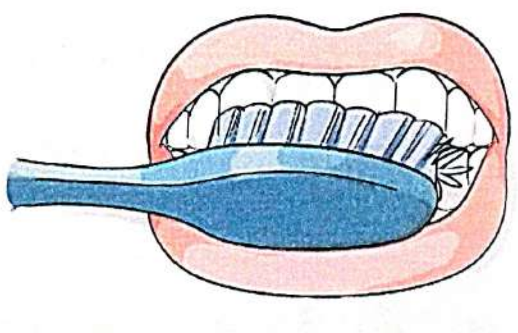

ब्रश से .... साफ करने चाहि

5. चित्र में दी पायल के घुँघरूँ बनाओ–

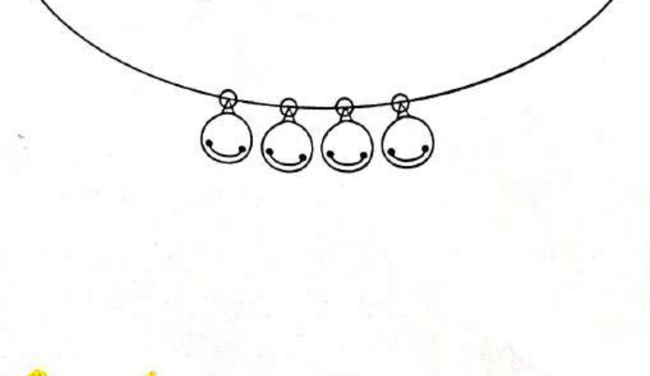

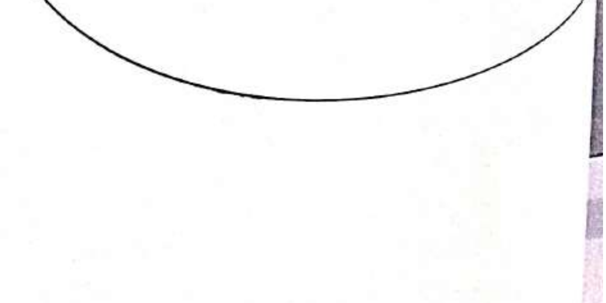

14 अः (ः)

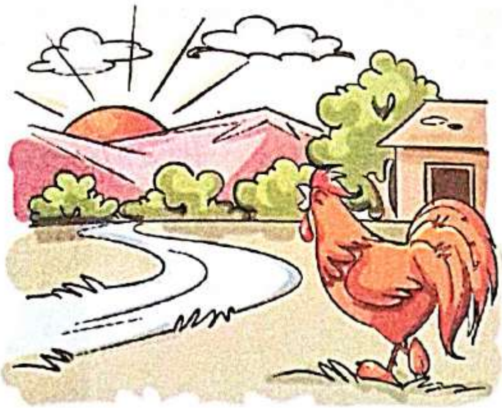

प्रातः

नमः

दुःख

पढ़ो

अतः	फलतः	शनैः शनैः
पुनः	छः	निःसहाय
अन्ततः	क्रमशः	स्वतः

गाओ

प्रातः उठो कहो नमः प्रभु,
सब जीवों का कल्याण करो।
शनैः शनैः करो पूरे काम,
करो रात्रि को विश्राम।

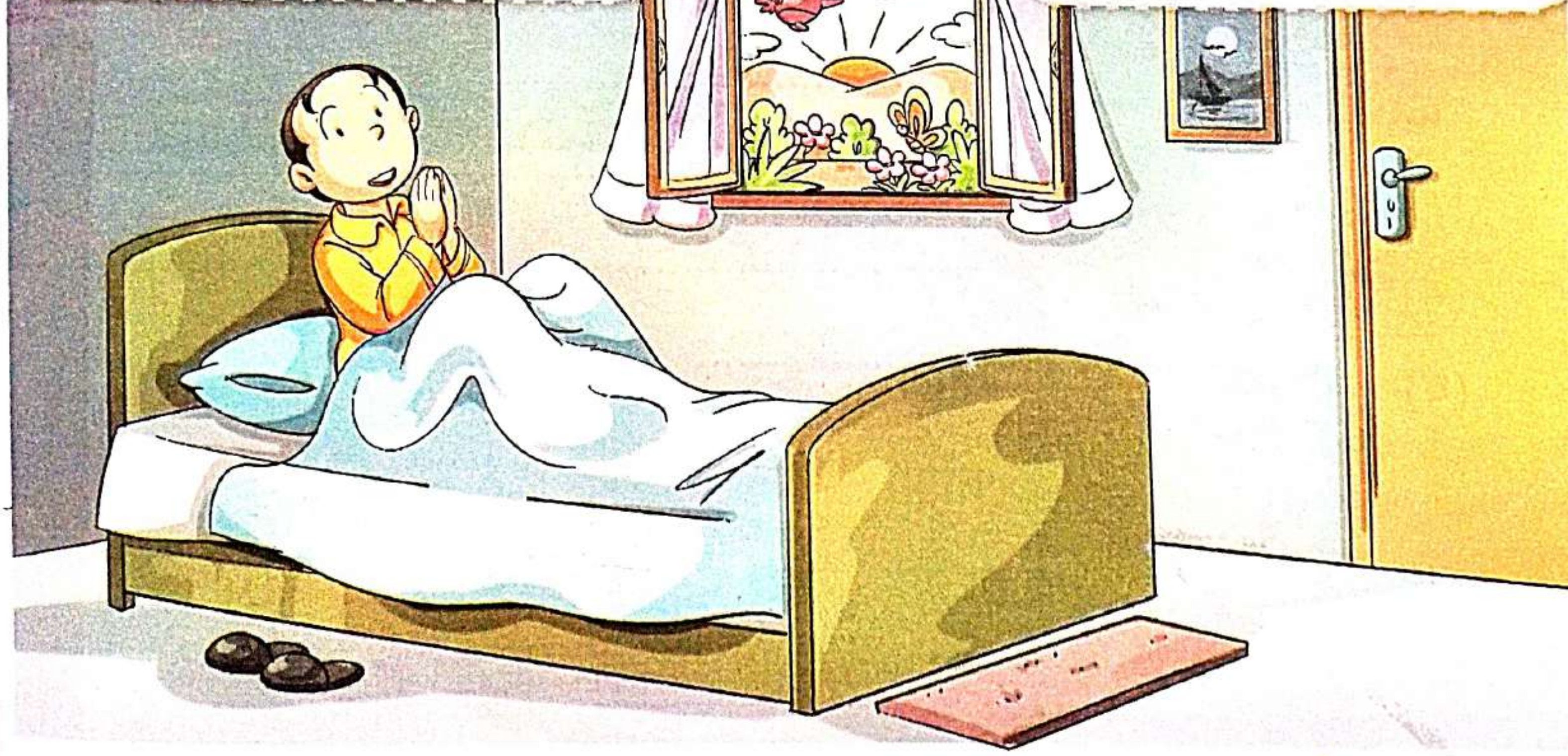

अभ्यास

1. सुलेख करो–

अतः स्वतः प्रातः प्रायः

....

....

2. अर्थ जानो–

शब्द	–	अर्थ
अतः	–	इसलिए
प्रायः	–	अक्सर
पुनः	–	फिर-फिर
अभिप्रायः	–	मतलब

3. ऊपर दिए गए शब्दों के अर्थ समझकर इन शब्दों से एक-एक वाक्य बनाओ–

(क) अतः – ....

(ख) प्रायः – ....

(ग) पुनः – ....

(घ) अभिप्रायः – ....

15 'र' की मात्रा के विविध रूप
(र्, ्र, ्र, ृ)

र (र्)

सूर्य

नर्स

पर्व

पढ़ो

हर्ष	पर्व	फर्ज
शर्त	तर्क	मार्ग
धर्म	सर्प	पर्वत
चर्म	कर्ज	नर्मदा
गर्व	धैर्य	पदार्थ

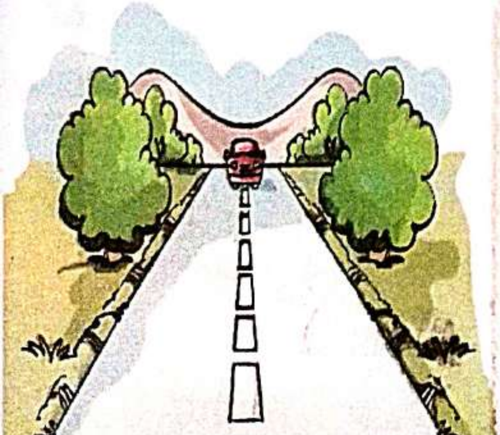

मानवता, भलाई और भाईचारा ही सच्चा धर्म है।

हमें सेवा करने में शर्म नहीं करनी चाहिए।

भले कर्म ही हमें महान बनाते हैं।

इन्हें करने से हमें हर्ष होगा तथा सबका आशीर्वाद भी मिलेगा।

गाओ

धैर्य रखकर फर्ज निभाओ,
अपने बड़ों का कर्ज चुकाओ
पर्वत जैसे अडिग रहो तुम
संकट में न जरा घबराओ।

अभ्यास

1. **खाली गोले में र ‘ ’ की मात्रा लगाकर पढ़ो–**

एक नस थी। उसका पस कहीं खो गया। उसे घर जाना था। वषा हो रही थी। माग पर पानी पर उसने धैय रखा।

‘रि’ (ृ)

वृक्ष

कृषक

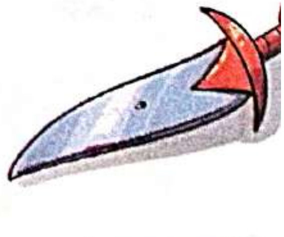

कृपाण

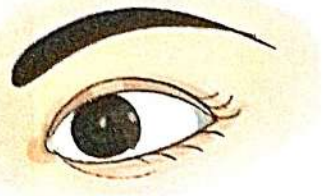

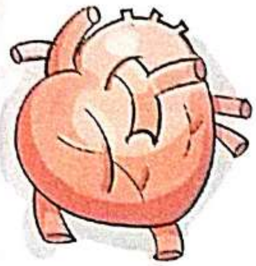

पढ़ो

दृढ़	अमृत	पितृ
हृदय	दृग	मातृ
कृपा	नृप	मृदु
गृह	कृतज्ञ	घृणा

सैनिक का इरादा दृढ़ होता है।
उसका हृदय कठिनाइओं से नहीं डोलता।
वह अपना गृह छोड़कर सेना में जाता है।
उसे किसी की कृपा नहीं चाहिए।
वह हमारे देश की रक्षा करता है।
इसलिए हमें उसका कृतज्ञ होना चाहिए।

गाओ

मातृ पितृ का हम पर ऋण है
उनकी कृपा न जाना भूल।
प्रेम प्यार से सब जग जीतो
घृणा क्रोध हैं दुख के मूल।

'र' की मात्रा पदेन (्र)

प्रेम

प्रणाम

ग्राहक

पढ़ो

ग्राम	व्रत	फ्राक
ग्रहण	प्राण	ब्रश
ट्रक	व्याघ्र	प्रतीक
प्रण	ग्रह	ट्राम

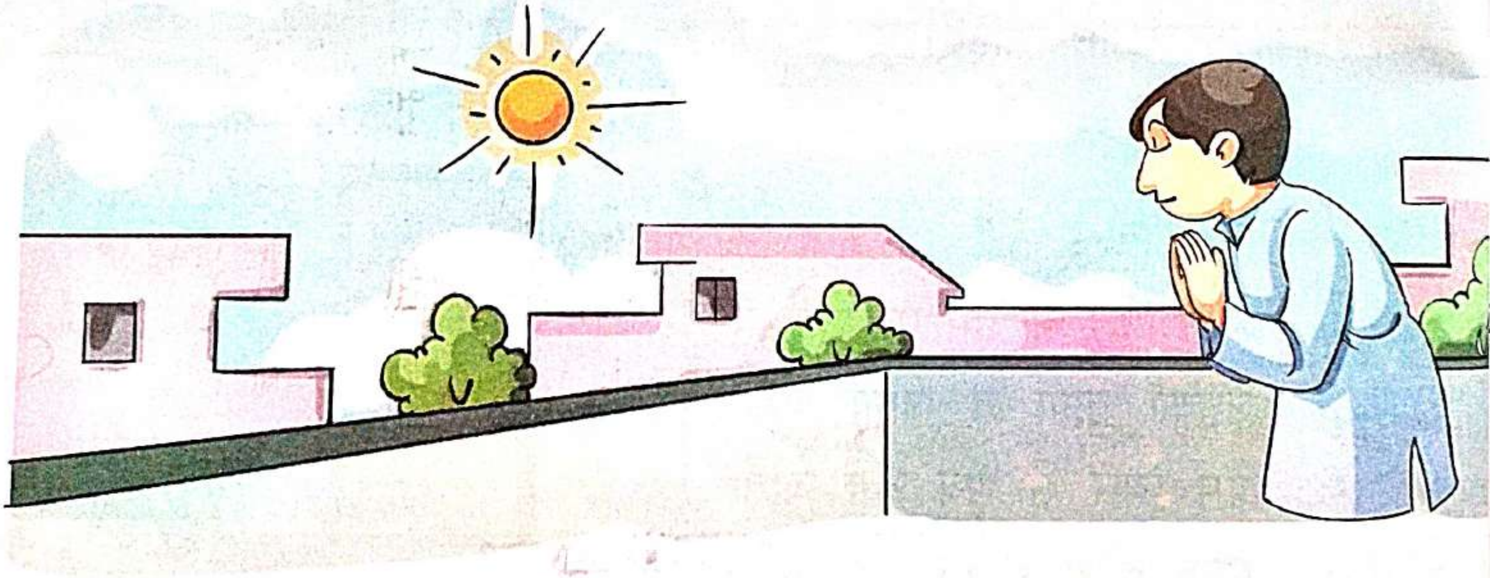

भारत ग्रामों का देश है। इसका अपना राष्ट्रीय झंडा है। यहाँ अनेक संत हुए। उन्होंने सबको व भाईचारे की शिक्षा दी। यहाँ लोग ग्रह नक्षत्रों को भी प्रणाम करते हैं।

गाओ

प्रेम ही सबसे बड़ा है धर्म
गांधी गौतम इसके प्रतीक
जिससे सबका भला हो सुख
हो वही राह कहलाती ठीक।

अभ्यास

1. चित्र के नीचे उसका नाम लिखकर पढ़ो–

रीना ने नयी .... खरीदी। उसने .... से एक सुंदर चित्र भी बनाया। चित्र एक .... का था। तभी उसके अध्यापक आ गए। उसने उन्हें झुककर .... किया।

अध्यापक जी ने उसे .... दिया। तभी वहाँ से एक .... गुजरा। उसका ड्राइवर उसे काफी तेज चला रहा था। अचानक .... होने लगी।

2. 'र' की सही मात्रा (ʿ, ˏ या ¸) लगाकर शब्द पूरे करो–

घणा	मात	सप	नस
बश	वत	धम	सूय

....

....

16 दोहरे व संयुक्त अक्षर

दोहरे अक्षर

बच्चा

बिल्ली

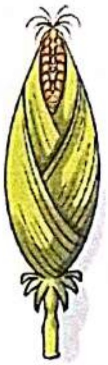

भुट्टा

लस्सी

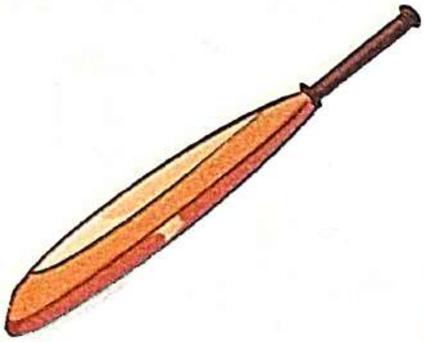

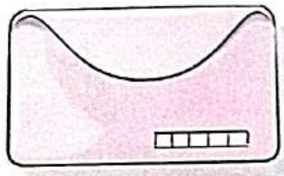

पढ़ो

हक्का	सच्चा	चिट्ठी	नन्ही
बक्का	पक्का	लट्ठा	मुन्नी
बल्ला	धक्का	मट्ठा	चुन्नी
चम्मच	मुक्का	पम्मी	अठन्नी
कच्चा	मक्का	मम्मी	लड्डू

गाओ

गद्दों पर मत कूदो बच्चों,
तब मैं तुमको दूँगी लड्डू।
करो मुझसे यह पक्की बात,
मिलेंगे सबको लड्डू सात।

संयुक्त अक्षर

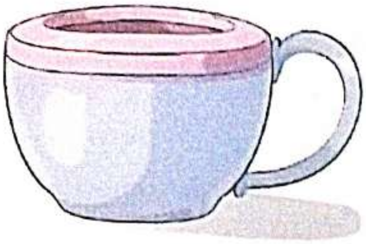

प्याला

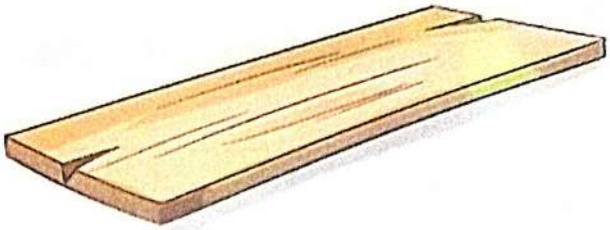

तख्ता

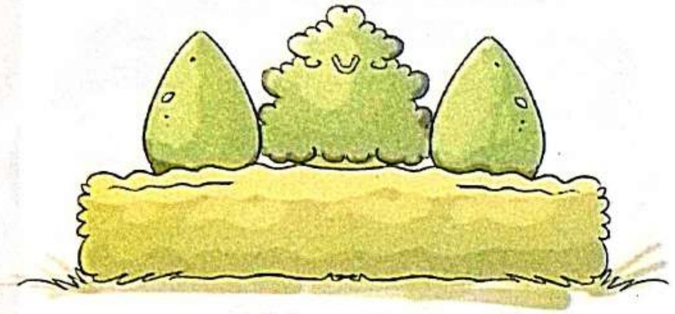

क्यारी

गुच्छा

पढ़ो

मच्छर	मक्खी	पत्थर	व्यास
युद्ध	समाप्त	व्यक्ति	ब्याज
विघ्न	प्याज	शक्ति	विद्या
कान्हा	प्यार	भक्ति	स्वच्छ

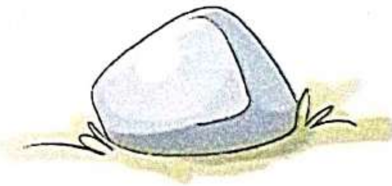

गाओ

कच्ची-पक्की पकाकर दाल,
चली बंदरिया अपनी ससुराल।
एक चम्मच भी खाई न जाए,
बस लस्सी पीकर काम चलाए।

अभ्यास

1. चित्र देखकर खाली स्थान पर उसका नाम लिखो और पढ़ो–

एक .... का खेत था। उसमें एक .... घुसा। तभी .... की हलचल सुनाई दी। वह भागा तो उसका पैर एक .... से टकरा गया।

उस .... आने लगे। तभी उसकी लोमड़ी से .... हो गई।

वह चिल्लाया "हे भगवान मुझे बचा लो।" सामने से बंदर .... लेकर आ था। वह बोला-अरे क्यों घबराते हो, चलों खेलें।

2. मिलती-जुलती आवाज वाले शब्दों को मिलाओ–

(अ)	(ब)
(क) अस्सी	(i) झक्की
(ख) शक्की	(ii) भल्ला
(ग) बल्ला	(iii) पक्का
(घ) मक्का	(iv) लस्सी

3. उदाहरण की तरह वर्णों को जोड़कर नए शब्द बनाओ–

क्	+	क	=	क्क	–	पक्का,	मक्का
च्	+	च	=	....	–	....	....
प्	+	य	=	....	–	....	....
स्	+	स	=	....	–	....	....
त्	+	त	=	....	–	....	....
म्	+	म	=	....	–	....	....

जानों–

वर्णों के नीचे लगा हलंत् का चिह्न (्) वर्ण के आधे होने की बात बताता है।

17 बहानेबाज टिंकी (चित्रकथा)

अभ्यास

क्या आप भी टिंकी की तरह कभी-कभी बहाने बनाते हैं। आपका बहाना क्या हो सकता है जरा ✓ लगाकर बताना–

यदि आप बहाना नहीं बनाते तो ✗ लगाओ।

1. गृह कार्य पूरा न होने पर–

(क) मैं बीमार था। ( )

(ख) हमारे घर दावत थी। ( )

(ग) मैं कॉपी घर भूल आया। ( )

(घ) हम कहीं घूमने गए थे। ( )

2. नहाने का मन न होने पर–

(क) आज बहुत सरदी है। ( )

(ख) आज तबियत ठीक नहीं। ( )

(ग) बाथरूम धुला नहीं। ( )

(घ) शाम को नहाऊँगा। ( )

3. टी॰ वी॰ ज्यादा देखने पर–

(क) आज मेरी पसंद का कार्यक्रम आ रहा है। ( )

(ख) कोई खेलने वाला नहीं है, तो मन कैसे बहलाऊँ? ( )

(ग) टी॰ वी॰ देखने से मैं नई-नई बातें सीख रहा हूँ। ( )

4. झूठ पकड़े जाने पर–

(क) मैं डर गया था। ( )

(ख) मुझे कोई चीज ज्यादा मिल रही थी। ( )

(ग) मैं सजा से बचना चाहता था। ( )

नोटः यदि आप कोई बहाना नहीं बनाते तो यहाँ अपनी माँ के हस्ताक्षर करवाओ।
यह सच बता रहा है/रही है ....

18 नया सुझाव (एकांकी)

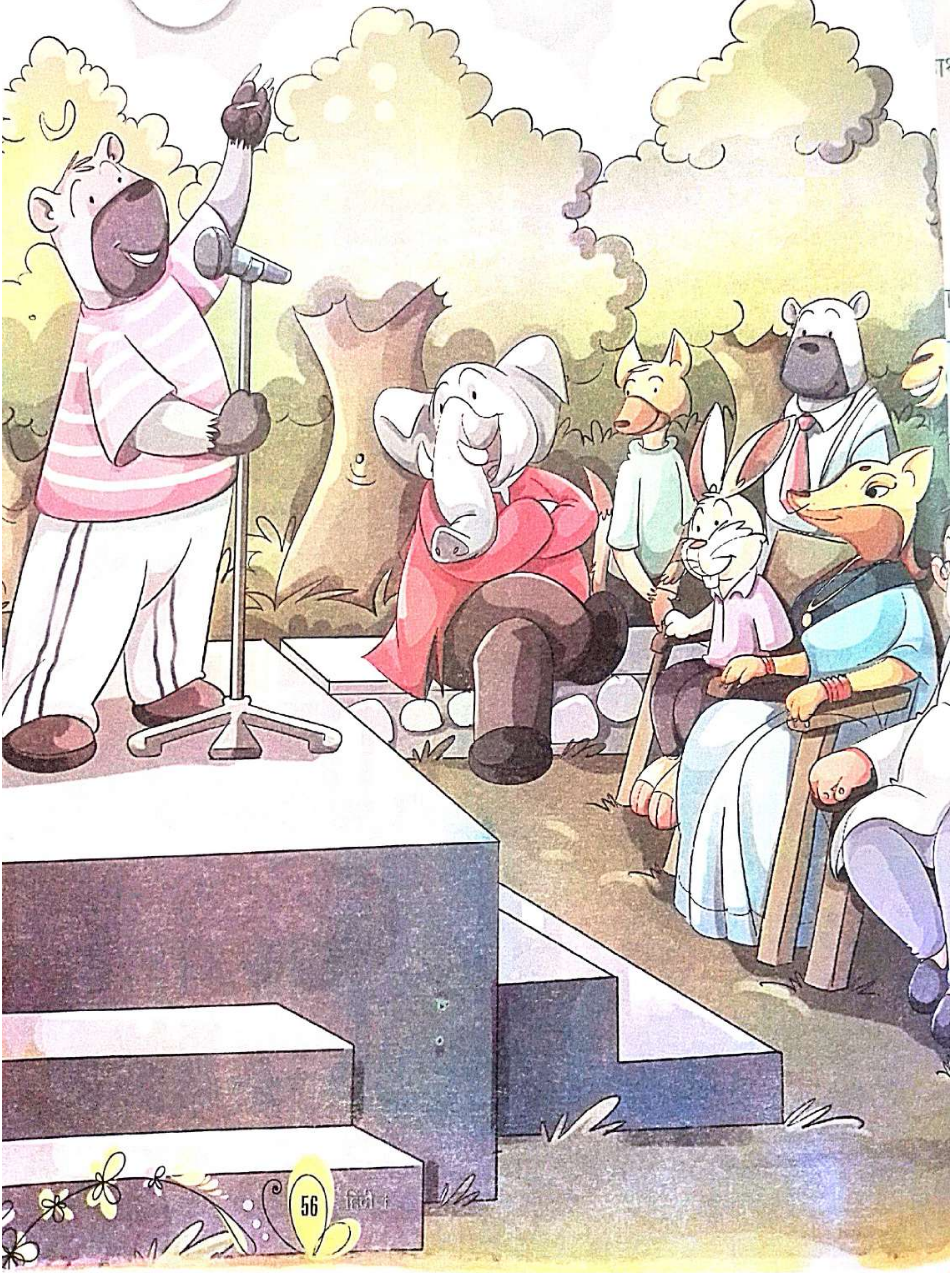

भालू : प्यारे दोस्तो! आज हम सब यहाँ किसी विशेष कारण से एकत्र हुए हैं। आप सभी को अपनी-अपनी बात कहने का अवसर दिया जाएगा।

सबसे पहले हाथी जी महाराज माइक पर कुछ बोलें।

हाथी : धन्यवाद! मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे इस योग्य समझा कि सबसे पहले मैं अपने विचार प्रकट करूँ। मेरा निवेदन है कि जंगल में एक विद्यालय खोला जाए, जिसमें होनहार जानवर पढ़े-लिखें। कुछ डॉक्टर बने, कुछ अध्यापक और कुछ वकील।

(सभी जानवर तालियाँ बजाते हैं।)

हाथी : अब आप सब अपने-अपने विचार कहें।

बंदर : हाथी दादा, आप बड़े बुद्धिमान है। यदि आपकी बात पर अमल होगा तो हमारी कायापलट हो जाएगी। मैं तो डॉक्टरी की पढ़ाई करना चाहता हूँ।

बंदरिया : रहने दो– रहने दो। इस पढ़ाई के लिए घंटों टिककर पढ़ना पड़ता है और तुम तो इतने चंचल हो कि एक पल यहाँ तो एक पल वहाँ।

बंदर : पर तुम यह नहीं जानती कि मेरी पूरी काया इंसान से मिलती-जुलती है। मैं अपनी उँगलियों से इन्जेक्शन पकड़ सकता हूँ। मेरी चुस्ती-फुर्ती से सारा अस्पताल अच्छा चलेगा।

चिड़िया : मैं तो पढ़-लिखकर इंजीनियर बनूँगी।

हाथी : यह ठीक रहेगा। तुम अपना घोंसला भी बड़ी कुशलता से बनाती हो।

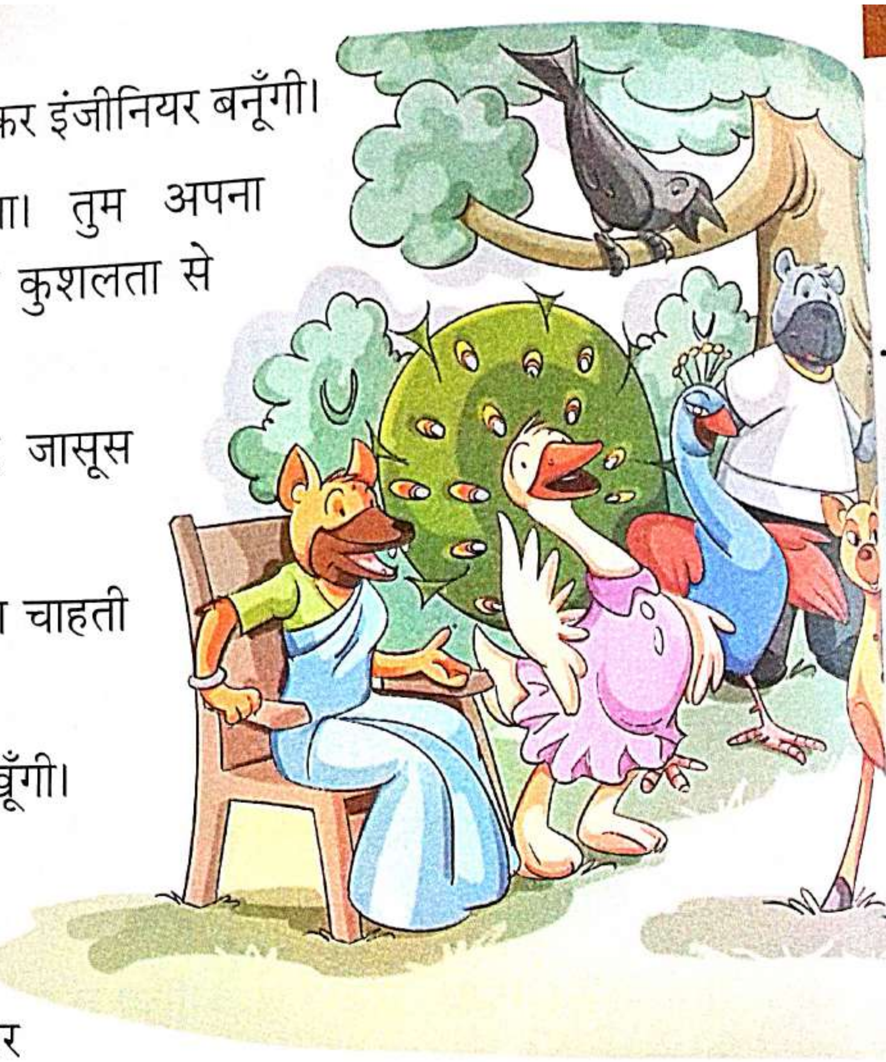

लोमड़ी : मैं पढ़-लिखकर जासूस बनूँगी।

बतख : मैं तैरना सिखाना चाहती हूँ।

मैना : मैं तो संगीत सीखूँगी।

मोरनी : और मैं डांस टीचर ....।

भालू : यह तो ठीक है पर खेल का अध्यापक कौन बनेगा?

हिरन : मेरा शरीर लचीला और फुर्तीला है। मैं बच्चों को रेस और जिम्ना सिखाऊँगा।

भालू : बढ़िया, अब चंदा एकत्र करके यह विद्यालय जल्दी ही शुरू कर देंगे।

शिक्षण संकेत

- पशु-पक्षी भी अपनी उन्नति चाहते है। यहाँ एक सभा में कुछ जानवर अपने विचार प्रकट कर रहे हैं।

शब्द-अर्थ

विशेष– खास; कारण– वजह; आभारी– एहसानमंद; योग्य– लायक; चंचल– नट
कुशलता– निपुणता।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

(क) जानवर इकट्ठा हुए थे—

(i) एक खास कारण से ( ) (ii) मौज-मस्ती के लिए ( )

(ख) हाथी का सुझाव था कि

(i) बाजार बने ( ) (ii) विद्यालय बने ( )

(ग) बंदर बनना चाहता था—

(i) डॉक्टर ( ) (ii) नेता ( )

(घ) लोमड़ी बनना चाहती थी—

(i) मंत्री ( ) (ii) जासूस ( )

2. जानवर को उसके बनने की चाह से मिलाओ—

(अ)	(ब)
(क) चिड़िया	(i) जासूस
(ख) लोमड़ी	(ii) खेल का अध्यापक
(ग) हिरन	(iii) डांस टीचर
(घ) मोरनी	(iv) इंजीनियर

3. बताओ किसने कहा—

(क) "मैं आपका आभारी हूँ।" ....

(ख) "मैं पढ़-लिखकर इंजीनियर बनूँगी। ....

(ग) मैं तैरना सिखाना चाहती हूँ। ....

4. पढ़ो और समझो—

(क) कुशल, प्रवीण, निपुण।

(ख) अध्यापक, गुरु, टीचर।

(ग) विद्‌यालय, स्कूल, पाठशाला।

(घ) पल, क्षण, मिनट।

5. विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं, जैसे मोटा हाथी में मोटा शब्द विशे
इसी तरह विशेषण शब्दों के नीचे रेखा खींचो—

फुर्तीला हिरन
चुस्त गिलहरी
सुस्त कछुआ
आलसी लड़की
लंबा पेड़

6. आपने कौन-कौन से जानवर देख रखे हैं, नाम लिखो—

....

....

....

....

7. चिड़िया, हाथी या मोर किसी एक का चित्र बनाओ—

19 बचपन है अलबेला (कविता)

- अभी आप बच्चे हैं और शायद जल्दी बड़ा हो जाना चाहते हैं, पर क्या आपको पता है कि बड़े आप जैसा बन जाना चाहते हैं—

बचपन के दिन बड़े ही
प्यारे बड़े ही सुंदर।
क्योंकि तब भोलापन होता,
मिलती मौज-मस्ती भरपूर
न कोई चिंता न गम होता।

पर हैरानी, है परेशानी
बच्चे चाहें, हम बड़े हो जाएँ।
और बड़ों को बचपन भाए।
बच्चों को कैसे समझाएँ।

बचपन एक सपना रंगीला,
जैसे हो इंद्रधनुष सजीला।
न चूल्हे-चौके की चिंता,
न कोई फ्रिक न कोई झमेला
सचमुच बचपन है-अलबेला।

धूम - धड़ाका, झगड़ा-झाँसा,
बचपन में सब कुछ चलता है।
मित्र मिले नित नए अनोखे,
खेल-खेलकर सुख मिलता है।

नकल उतारो, नाचो-गाओ,
यही वक्त है, मत शरमाओ।
बचपन का यह रौनक मेला
इसमें न कोई रहे अकेला।

निकल हाथ से जाए न यह
अभी वक्त है मौज मना लो।
रूठा हो कोई यदि तुमसे,
हँसी-हँसी में उसे मना लो।

गीली मिट्टी की खुशबू लो,
पानी में अपनी नाव तैराओ।
और छमाछम जब बादल बरसे,
जी भर उसमें खूब नहाओ।

—डॉ. गीत

अध्यापन संकेत

- बच्चों से पूछें कि उन्हें क्या-क्या करना पसंद है। क्या उन्हें अपनी इच्छानुसार से सबकुछ करने की छूट मिलती है? इस प्रकार उन्हें खुश रहने की प्रेरणा दें।

शब्द-अर्थ नित– रोज; गम– चिंता, दुख; भाए– अच्छा लगना; रंगीला– रंगीन; झमेला– उलझन; अलबेला– अनोखा।

अभ्यास

1. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ–**

(क) बचपन के दिन होते हैं–

(i) कठिन ( ) (ii) प्यारे ( )

(ख) बच्चे चाहते हैं–

(i) बड़ा होना ( ) (ii) बूढ़ा होना ( )

(क) खुशबू लेनी चाहिए–

(i) गीली मिट्टी की ( ) (ii) गुड़ बनने की ( )

(क) बचपन में मित्र मिलते हैं–

(i) कभी-कभी ( ) (ii) रोज ( )

2. **कविता पढ़कर पंक्तियाँ पूरी करो–**

(क) गीली मिट्टी की ....।

.... नाव तैराओ।

(ख) बचपन का यह ....।

.... रहे अकेला।

3. **निम्नलिखिए प्रश्नों के उत्तर लिखो–**

(क) बचपन कैसा होता है? ....

....

(ख) बड़ों को क्या भाता है?

....

(ग) कविता में बादल बरसने पर क्या करने को कहा गया है?

....

(घ) बचपन में कैसे सुख मिलता है?

....

4. तुक मिलाओ–

(अ)	(ब)
(क) भाए	(i) सजीला
(ख) रंगीला	(ii) शरमाओ
(ग) मेला	(iii) समझाएँ
(घ) गाओ	(iv) अकेला

1. पढ़ो और समझो–

(क) गम, फ्रिक, चिंता।

(ख) मौज, मस्ती, मजा।

(ग) रंगीला, रंगीन, रंग-बिरंगा।

(घ) मित्र, साथी, दोस्त।

2. शब्द सीढ़ी बनाओ–

बचपन

नमक

3. कुछ खेलों के नाम बताओ–

(क) .... (ख) ....

(ग) .... (घ) ....

4. चित्र देखकर बॉक्स में से शब्द चुनकर सामने लिखो–

शरमाना, हँसना, नकल उतारना, खुशबू लेना

1. ....

2. ....

3. ....

4. ....

जानो– *(ये सब क्रियाएँ हैं।)*

20 बात से बात (कविता)

- बातों में से बात निकाल गपशप की जाती है। इस कविता में इसी प्रकार बात से बात निकाली गई है।

गोल है लड्डू,
गोल है थाल।
गोल-गोल गुड़िया के गाल,

गाल है कैसे?
लाल टमाटर।
बाल है कैसे?
कोमल-कोमल
जैसे हो किसी
पक्षी के पर,

बाल है कितने?
जितने तारे,
तारे कैसे?

दीप हो जैसे
झिलमिल-झिलमिल
जगमग-जगमग।

जगमग कब होती है
घर-घर?
जब हो दीवाली, उत्सव या पर्व।
आओ-मिल जुल इन्हें मनाएँ
हम भी, तुम भी, खुश हो जाएँ।

—डॉ० गीता रानी

अध्यापन संकेत

आप भी बच्चों से [illegible] पढ़ें ताकि उनमें कार्य-कारकों को समझने की योग्यता बढ़ सके।

शब्द-अर्थ कोमल- नरम; उत्सव- त्योहार; खुश- प्रसन्न; बाल- केश।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर ✓ लगाओ—

(क) गुड़िया के गाल हैं—

(i) चपटे ( ) (ii) गोल ( )

(ख) गुड़िया के बाल हैं—

(i) कोमल ( ) (ii) सख्त ( )

(ग) दीपक करते हैं—

(i) जगमग ( ) (ii) रुनझुन ( )

(घ) घर में जगमग होती है—

(i) रक्षाबंधन पर ( ) (ii) दीवाली पर ( )

2. तुक मिलाओ—

(अ)	(ब)
(क) गाल	(i) जाएँ
(ख) टमाटर	(ii) थाल
(ग) मनाएँ	(iii) कोमल पर

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) कविता में कौन-कौन सी चीजों को गोल बताया गया है?

....

(ख) सिर पर बाल कितने बताए गए हैं?

....

4. **सुमेल करो—**

(अ)	(ब)
(क) दीप	(i) मनाना
(ख) त्योहार	(ii) गिनना
(ग) तारे	(iii) चलना
(घ) तेज	(iv) जलाना

5. **वाक्य ठीक करो—**

(क) होते हैं गाल गोल।

गाल गोल होते हैं।..

(ख) है चलती हवा तेज।

....

(ग) खुशी मनाते हैं त्योहार हम पर।

....

6. **जानो—**

किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं। शब्द को सही जगह लिखो—

मीनू, आगरा, लाठी, गेंद, अजय, मेरठ,

व्यक्ति	वस्तु	स्थान
....	....	....
....	....	....

तरह-तरह के बाल

सीधे बाल

घुँघराले बाल

आपके बाल कैसे हैं? बताओ।

रंग बताओ– **आपकी आँखों का रंग है—**

काला ( )

भूरा ( )

नीला ( )

बनाओ– (क) रेशम की छोटी लच्छी से गुड़िया के बाल बनाओ।

(ख) रंगीन कागज को गोल काटकर गुड़िया की बिंदी बनाओ।

21 बूझो तो जरा

(पहेली प्रश्न)

मैं वजन उठाता, सिर पर रखकर स्टेशन सारा पार कराता।

मैं .... हूँ।

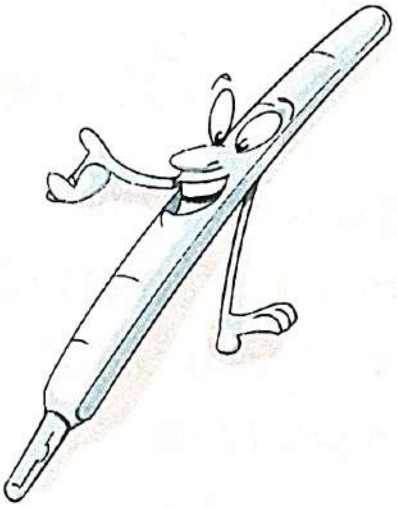

तुमको जब भी चढ़े बुखार।
100 से लेकर एक सौ चार।
नाप के तुरंत बताता हूँ।
मैं .... कहलाता हूँ।

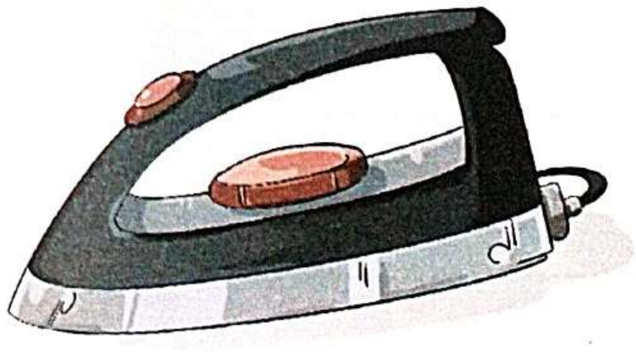

तुम्हारे कपड़ों को सीधा समतल करके उनकी शान बढ़ाती।

एक दो दिन नहीं लेकिन मैं रोज तुम्हारे काम में आती।

मैं .... हूँ।

जब मैं आता, घंटी बजाता। संदेश शादी के निमन्त्रण और सारी डाक पहुँचाता।

मैं .... हूँ।

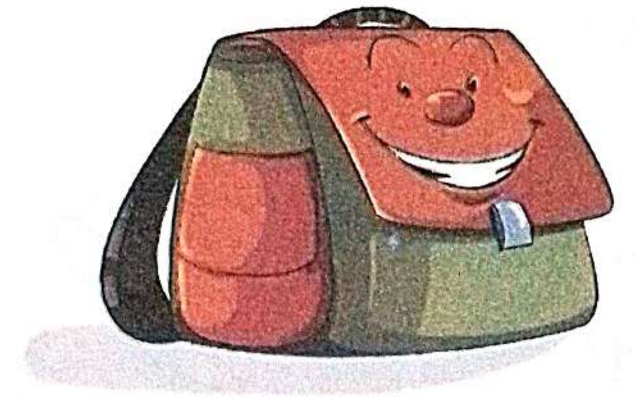

मेरे भीतर कॉपी पुस्तक।
लंच-बॉक्स पेंसिल रबड़ रखकर।
तुम विद्यालय जाते हो, अपनी एक पहचान बनाते हो।
मैं .... हूँ।

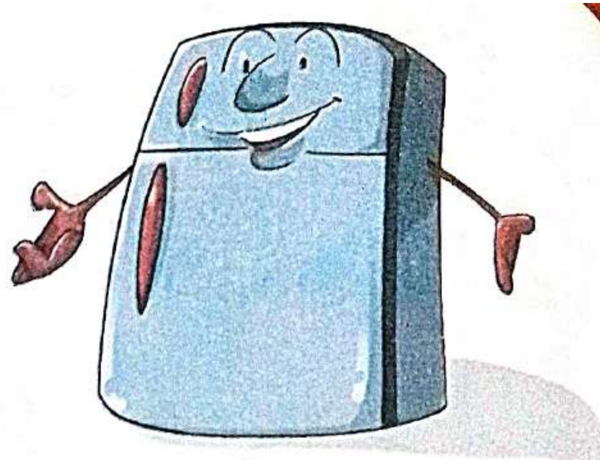

खाने की चीजें ताजी या बासी।
कोल्डड्रिंक हो या हो लस्सी। मेरे भीतर रख सकते हो जब फिर चाहो चख सकते हो।
मैं .... हूँ।

अभ्यास

1. इसी प्रकार चित्रों में दी गई चीजों और व्यक्तियों के बारे में कुछ लिखो–

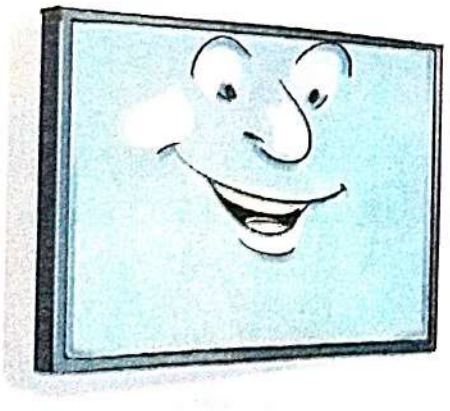

....
....
....
....
....

....
....
....
....
....

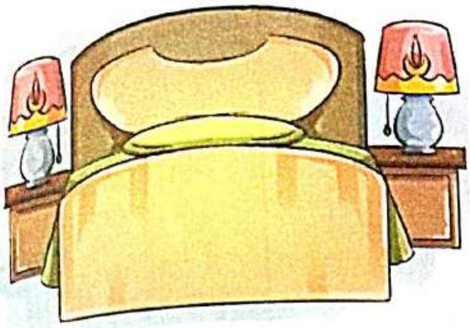

जानो– *(चित्रों के जो नाम आपने लिखे हैं, वे सभी संज्ञा शब्द हैं)*

22 हमारा मन (कविता)

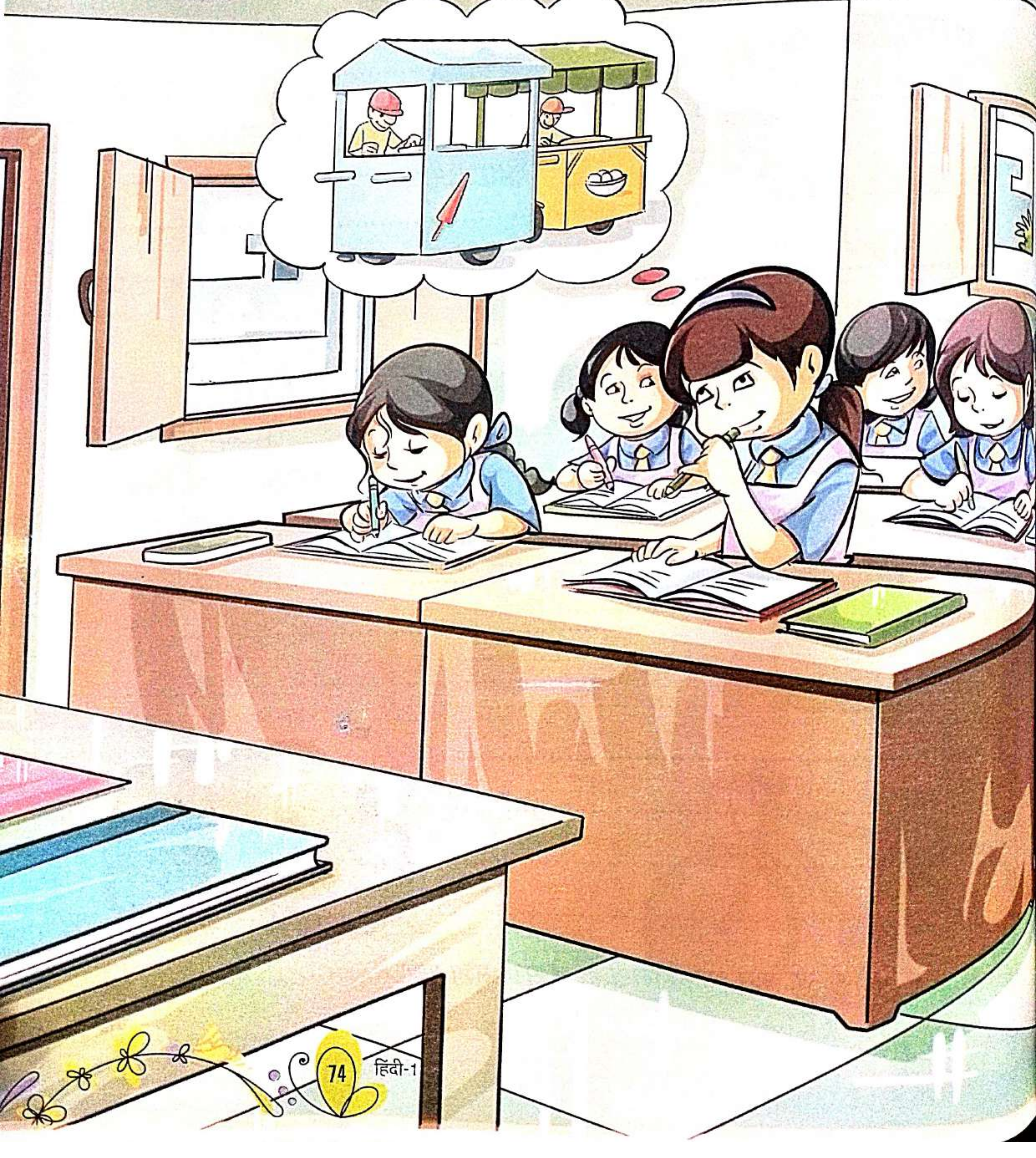

सबसे तेज भागता कौन?
न तो चीता, न ही हिरन

वो तो है अपना ही मन।
एक पल घर, एक पल मैदान में

करना था क्या न रहे ध्यान में,
कभी कुलफी की याद दिलाता,

कभी रसगुल्लों को ललचाता।
इससे बड़ा शैतान न कोई

यदि इसे न कोई समझाता,
आपस में झगड़े करवाता।

हर पल भागे-दौड़े, उचके
टिका ध्यान यह पढ़ने न दे।

इसलिए इसे समझाकर रखना
वरना पड़ेगा कड़वा फल चखना।

—डॉ० गीता रानी

अभ्यास

1. मात्राओं को दोहरा करके उनमें रंग भरो—

2. मात्राओं को सही शब्दों से मिलाओ—

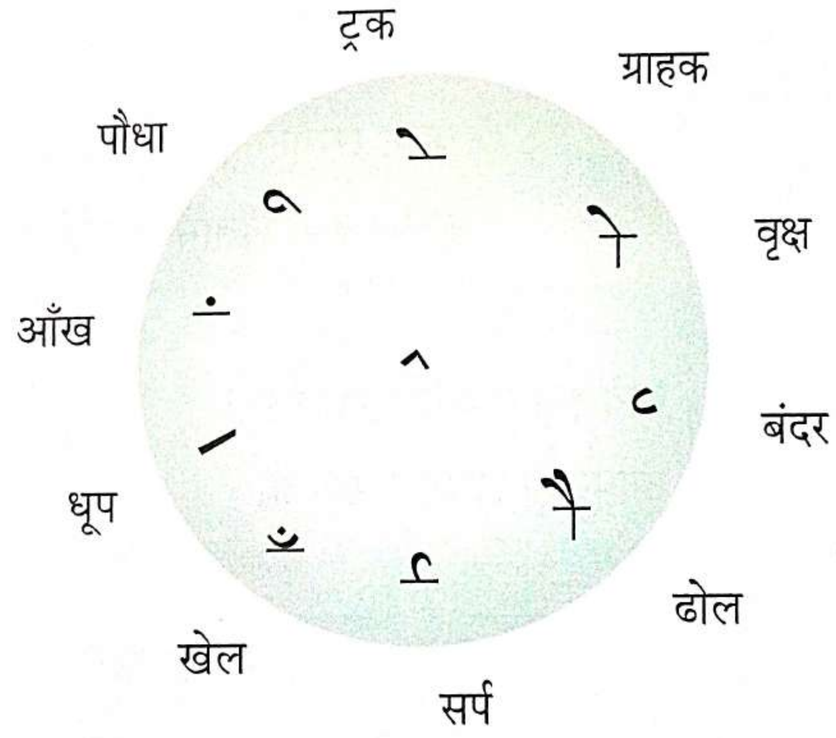

3. 'आ' जोड़कर शब्द लिखो—

वाज ....

हट ....

सन ....

दमी ....

ग ....

23 हिंदी का गीत

गान हेतु

हिंदी अपनी बोली-भाषा,
पढ़ना इसे जरूरी है।
इतनी प्यारी इतनी अच्छी,
खेल है सीखों,
नहीं कोई मजबूरी है।
इसमें रोचक कथा-कहानी,
चिड़िया-तितली गुड़िया रानी।
पढ़ते-लिखते हँसते-गाते,
यह आ जाए।
इसमें बिंदु और मात्राएँ।
बड़ी सरल है मम्मी जैसी,
करती जीवन में उजियाला।
हिंदी का रस नया-निराला,
इसको बार-बार तुम पढ़ना।
आ जाएगा अक्षर गढ़ना,
फिर सच्चा साथी बनेगी हिंदी।
सबकी प्यारी अपनी हिंदी।

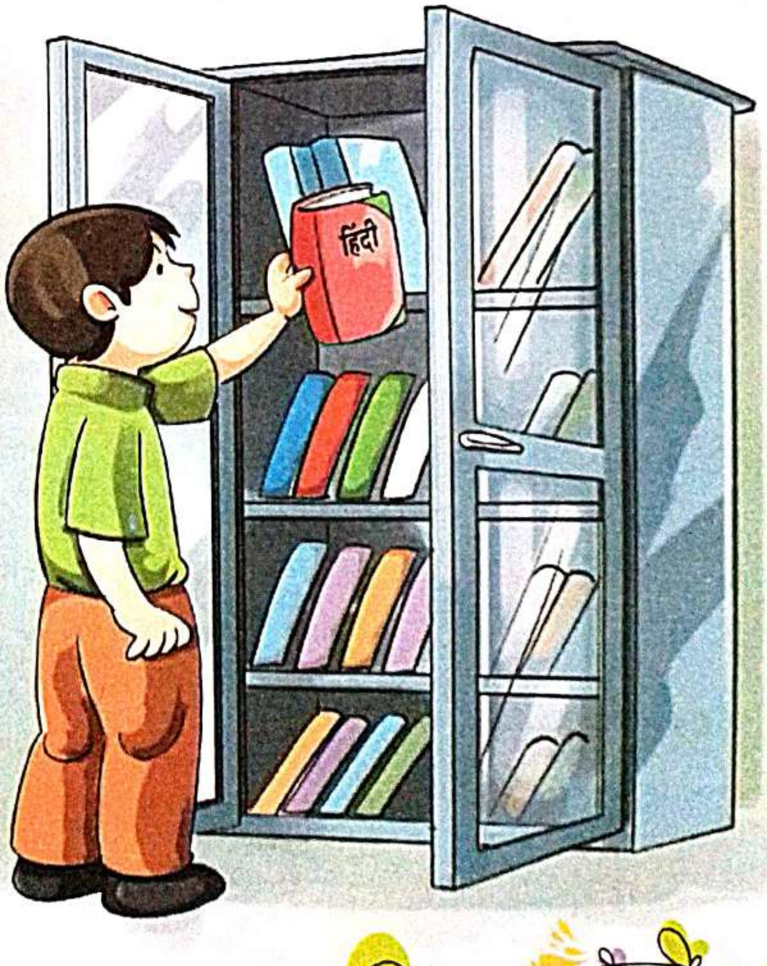

अभ्यास

1. आप कौन-कौन से विषय कक्षा में पढ़ते हैं?

....

....

....

2. हिंदी भाषा में लिखो–

(क) अपने शहर का नाम – ....

(ख) अपने इलाके या मुहल्ले का नाम – ....

(ग) अपने भाई-बहन के नाम – ....

(घ) अपने मित्रों के नाम – ....

....

(ङ) उन खेलों के नाम जो आप खेलते हैं – ....

....

3. कुछ भाषाओं के नाम लिखो; जैसे–

......अंग्रेजी......

....

....

....

24 छुट्टी का दिन (चित्रकथा)

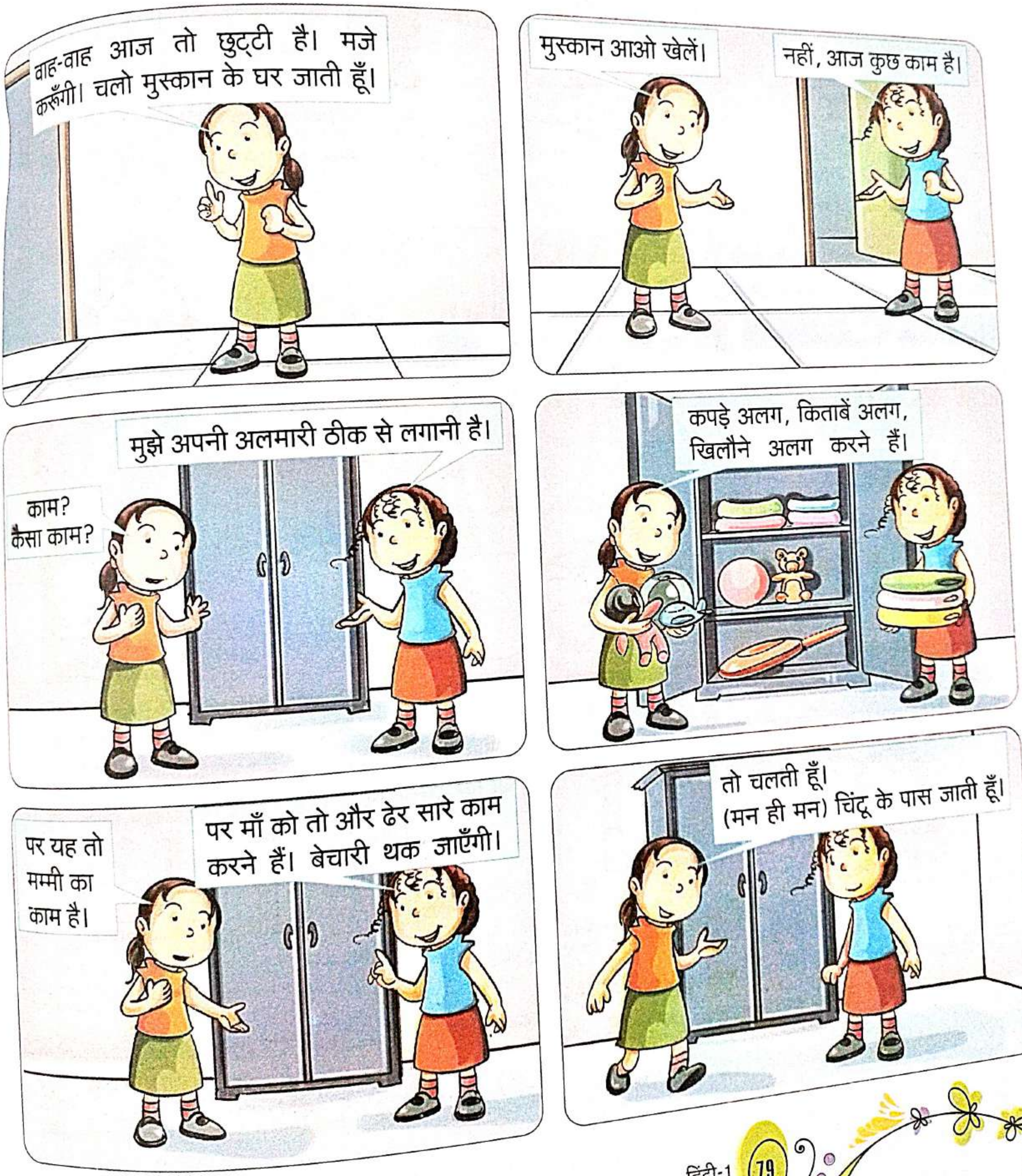

आओ चिंटू खेलें!
नहीं; आज मैं दीदी के लिए एक ग्रीटिंग कार्ड बनाऊँगा
वह क्यों?
वह रेस जीती हैं। उन्हें बधाई देनी है।
विन्नी घर लौटती। (बस मैं ही खाली हूँ। मैं भी कुछ काम करती हूँ।) माँ मैं क्या पौधों को पानी दूँ?
(खुश होती) सचमुच तुम ऐसा कर लोगी?
हाँ बिल्कुल।
वाह! कितना मजा आ रहा है पानी से पौधा खिल उठा है। मिट्टी की कितनी अच्छी महक है!
जरा यह काम निबट जाए तो मीतू के घर जाकर उससे कॉपी पर कवर चढ़ाना सीखूँगी। वह बता रही थी कि उसने अपनी कॉपियों पर कवर खुद चढ़ाएँ हैं।

25 रसोईं घर की चहल-पहल (परिचय)

कुकर

मैं खाना जल्दी पकाता हूँ।
गाता हूँ सीटी बजाता हूँ।
मुझमें रखी चीज न चूहा चख सकता।
मेरा ढक्कन बड़ी होशियारी से खुलता।

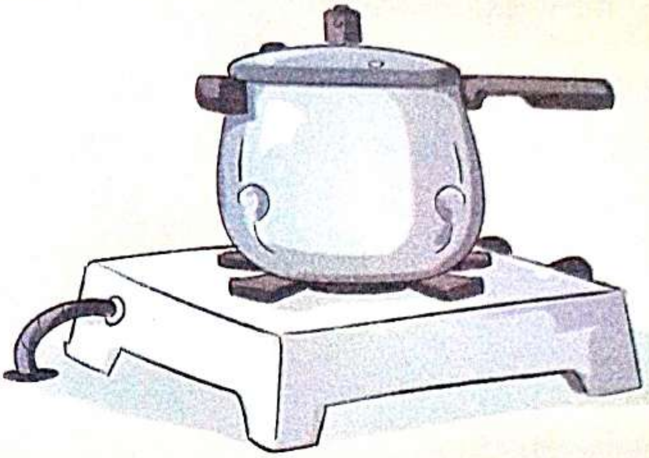

गैस सिलेन्डर

मोटा ताजा मुझमें गैस
चूल्हे में आग जलाता हूँ।
बिना धुएँ किसी परेशानी के
खाना शीघ्र पकाता हूँ।

फ्रिज

कच्ची-पक्की सारी चीजें मुझमें रखकर
सबकी मम्मी बड़े चैन से सोती हैं।
सब कुछ ताजा मैं रखता हूँ
क्योंकि मुझमें ठंडक होती है।

तवा

रोटी को पकाता हूँ।
रोज काम में आता हूँ।
बदन मेरा मजबूत है।
रसोई में मेरी बहुत जरूरत है।

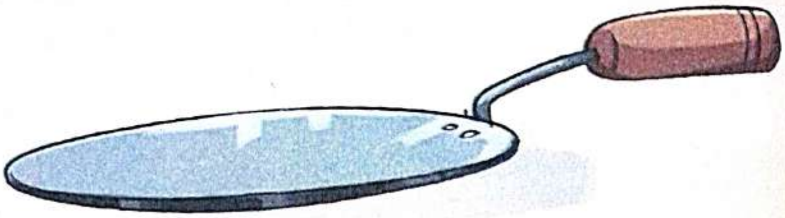

बेलन

रोटी बेलूँ गोल-गोल मैं,
चाहे मुझे बना लो डंडा
लेकिन ध्यान रखना
कभी न तोड़ना मुझसे अंडा।

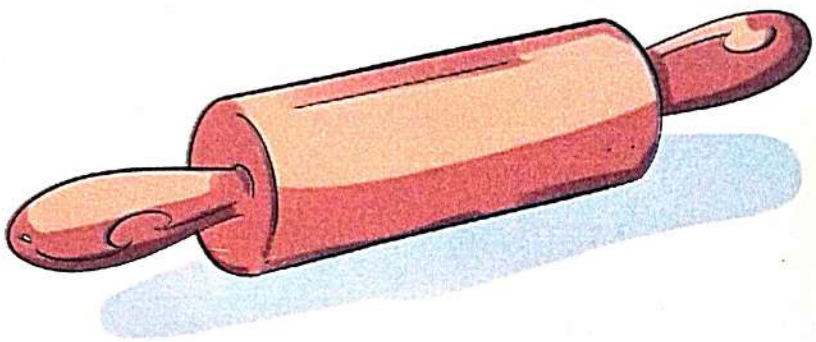

कड़छी

मैं घूमूँ जब इधर-उधर
सब्जी बनती तभी मगर।

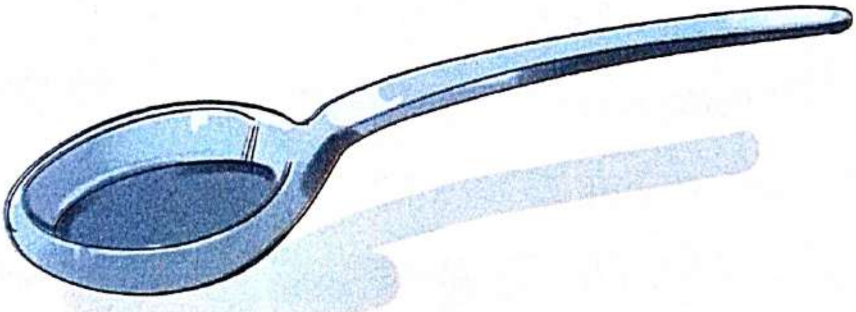

26 त्योहारों की धूम

कविता (पठन हेतु)

खाओं मूँगफली कुटर-कुटर,
साथ में हो तिल की गजक।
आया है लोहड़ी का त्योहार,
यह है सरदी का उपहार।

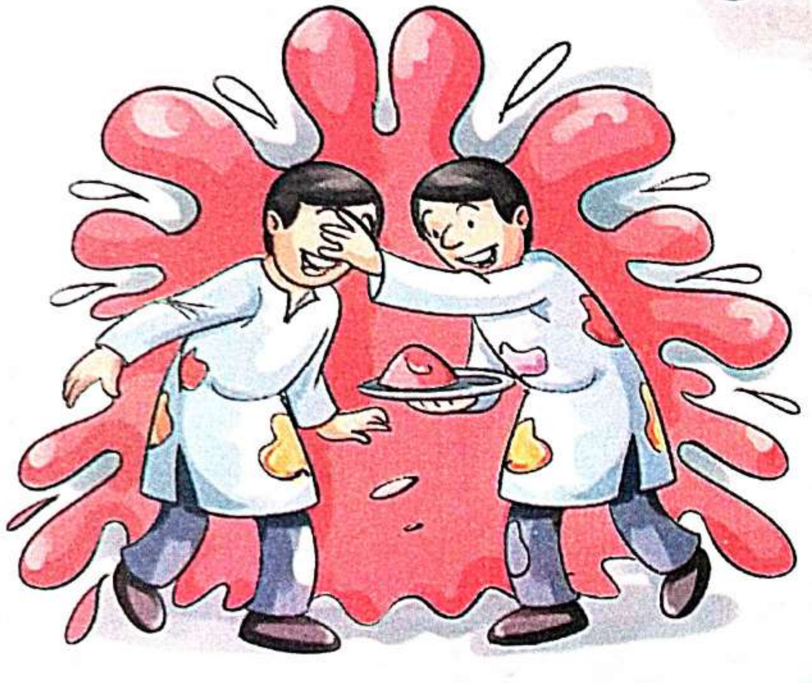

ले लो पिचकारी और गुलाल,
रंग डालों सब ही के गाल।
क्योंकि होली आई है,
सबको इसकी बधाई है।

अब आया रक्षाबंधन,
राखी बाँधों कलाई पर।
मुँह मीठा करवाना है,
ऐसे त्योहार मनाना है।

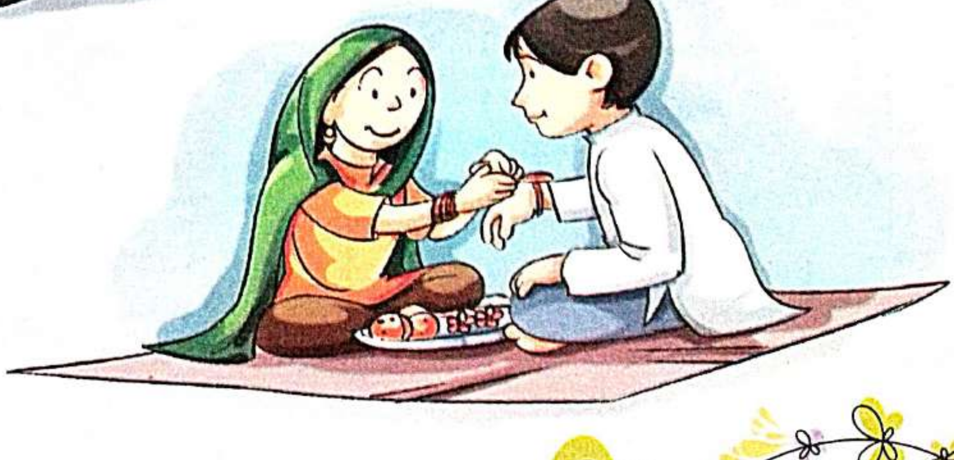

लो दीवाली भी आई
दीपकों का फैला प्रकाश।
चकरी, फुलझड़ी, चमक रही
रॉकेट बम छू रहा आकाश।

क्रिसमस पर सेंटाक्लाज़ आएँ
रख उपहारो का झोला कंधे पर
सुबह-सुबह सबको उपहार मिले,
सब ढूँढ़े सेंटा गए किधर।

प्रश्न पत्र - I

(पाठ 1 से 16)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–**

(क) कविता पढ़कर क्या पिघला?

(ख) नूतन छत पर क्या कर रही थी?

(ग) राजू क्या लाया?

(घ) हमें किसका पालन करना पड़ता है?

2. **सही मेल मिलाओ–**

(अ)	(ब)
(क) साफ	(i) चखना
(ख) फल	(ii) पढ़ना
(ग) अखबार	(iii) बरसना
(घ) जल	(iv) रहना

3. **सही शब्द के आगे ✓ तथा गलत के आगे ✗ लगाओ–**

(क) तितली	( )	तीतली	( )
(ख) बीजली	( )	बिजली	( )
(ग) फिरकी	( )	फीरकी	( )
(घ) तकिया	( )	तकीया	( )

4. **सही जगह पर 'उ' की मात्रा (ु) लगाकर फिर से लिखो–**

(क) जन – ....

(ख) बाप – ....

(ग) चड़ी – ....

(घ) मजदर – ....

5. खाली स्थान पर ' ै ' की मात्रा लगाकर लिखो—

(क) म ..... का — ....

(ख) र ..... ब — ....

(ग) ब ..... ना — ....

(घ) च ..... धरी — ....

6. सही स्थान पर अनुस्वार (ं) लगाओ—

सिदूर	सुरग	भिडी	ठड
सत	कधा	दड	लबा

7. सही वर्ण भरकर शब्द पूरा करो—

फाँ ....

बाँ ....

क

द घ

स

झाँ ....

लाँ ....

8. 'र' की सही मात्रा (र्, ्र या ृ) लगाकर शब्द पूरे करो—

घणा	मात	सप	नस
बश	धम	वत	सूय

9. मात्राओं के पाठों में आई कोई कविता सुनाओ।

10. सुलेख करो—

अतः	स्वतः	प्रातः	प्रायः
....	....	....	....
....	....	....	....

प्रश्न पत्र - II

(पाठ 17 से 26)

1. **सही उत्तर पर ✓ लगाओ–**

(क) गुड़िया के गाल हैं–

(i) चपटे ( ) (ii) गोल ( )

(ख) गुड़िया के बाल हैं–

(i) कोमल ( ) (ii) सख्त ( )

(ग) बचपन में मित्र मिलते हैं–

(i) कभी-कभी ( ) (ii) रोज ( )

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–**

(क) बचपन कैसा होता है?

(ख) बचपन में कैसे सुख मिलता है?

(ग) बड़ों को क्या भाता है?

3. **किसने कहा?**

(क) "मैं आपका आभारी हूँ।" ....

(ख) "मैं तैरना सिखाना चाहती हूँ।" ....

4. **वाक्य ठीक करो–**

(क) है चलती हवा तेज।

....

(ख) खुशी मनाते त्योहार हम पर।

....

5. पढ़ी हुई कोई कविता सुनाओ।

6. **कविता की पंक्तियाँ पूरी करो–**

गीली मिट्टी की ....।

.... नाव तैराओ।

बचपन का यह ....।

.... रहे अकेला।

7. **अर्थ लिखो–**

(क) विशेष – ....

(ख) कारण – ....

(ग) आभारी – ....

(घ) चंचल – ....

8. किस बहानेबाज लड़की की चित्रकथा आपने इस पुस्तक में पढ़ी? उसका नाम बताओ।

Practica's
SchoolEasy
School Management Made Easy

Always a teacher with you

READ
WATCH
LEARN

Scan and Watch Sample Video

Introducing
Chapterwise Video Lectures
Use our SchoolEasy ERP
Set up your school ONLINE with free pre loaded data
Complete Solution of exercises
Animations
Worksheets
Question Bank
Test papers
Online classes
and much more features of ERP to manage your school.

For Demo and Enquiry, Contact : +91-9548524525

digibank is an innovative digital solution for teachers and students. It contains three modules delivering the content that can be used effectively with the coursebooks.

For Desktop Application

- Go to www.vardhmanbooks.com/digital library to download our UDC (Unique Digibank Code) desktop software.
- Open the software and get registered.
- Select the series and click on the Add Book Icon.
- Submit Book Series Code.
- Submit Digibank Code UDC (Unique Digibank Code) provided on the front page.
- Now, the digital version of the book would start downloading.
- Once downloaded, the digibook can be opened up inside the UDC software.

Scan QR code

For Mobile Application

Our animated e-books can be viewed and read on android mobiles as well.
How to enter in our Digital world?

- Download vardhmanbooks app from Play Store. (https://play.google.com/store/apps/details?id= com.siron.vardhman)
- Click on the Add Book Icon and then scan the QR code given here.
- Submit the book code (UDC – Unique Digibank Code) in the download panel and download your book.
- After downloading, a pop-up button appears on your app screen showing– yes or no asking for installation. When you click on the yes button, your e-book will get installed.
- Now, the e-book icon would be shown on the shelf. Click on it to explore a brighter, more active and cheerful learning world.

Web Support For Teachers

- Teacher manuals are provided for pedagogical guidance.
- Paper generator is also provided for creating and managing tests, exam papers from our pool of thousands of questions.
- Lesson Plan and Worksheets are also available on our website.
- We are also providing e-books for teacher's aid.

Vardhman Books International Pvt. Ltd.
Plot No. 16, Sector 10-C, IInd Floor, Vasundhara, Delhi/NCR-201012
Toll Free No. 1800-121-9968
info@vardhmanbooks.com
www.vardhmanbooks.com

Multimedia DVD Available on Demand

ISBN : 978-93-87482-54-8
9 789387 482548
₹ 225.00